

दैनिक

मीडियाऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मन की बात

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, 'भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए ४-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे

मोदी बोले: भारत समुद्र से आकाश तक सुरक्षित

देश में 40 से ज्यादा सी-295 विमान बनाए जा रहे

योग में भारत ने 114 पदक जीते

मन की बात में नॉर्थईस्ट के 3 राज्यों का जिक्र... शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूँ कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं। कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे। जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे। कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए ह। मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं।

40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित 'विश्व योगासन चैम्पियनशिप' में शानदार प्रदर्शन करते

हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है।

असम: हरगिला आर्मी ने पुरानी सोच बदली: पीएम मोदी ने कहा कि असम में एक पक्षी पाया जाता है। उसका नाम हरगिला है। हरगिला एक दुर्लभ पक्षी है। ये प्रकृति को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाता है।

लेकिन असम के कुछ इलाकों में लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था। लोग इसे अपने आसपास देखना पसंद नहीं करते थे। कई बार उन पेड़ों को भी काट दिया जाता था जिन पर हरगिला के घोंसले बने होते थे। इसी दौरान जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने ये सब देखा। उन्होंने लोगों के मन में बैद्वी गलत धारणा को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने महिलाओं से बात की, लोगों को विज्ञान के आधार पर समझाया। धीरे-धीरे महिलाएं इस अभियान से जुड़े

लगीं। फिर एक बड़ा बदलाव शुरू हुआ। जिस पक्षी को कभी अशुभ मानकर भगाया जाता था, वही गांवों की पहचान बनने लगा। हजारों ग्रामीण महिलाएं हरगिला को बचाने के लिए आगे आईं। आज उन्हें 'हरगिला आर्मी' के नाम से जाना जाता है। इन महिलाओं ने समाज को समझाने के लिए दिन-रात काम किया और अंधविश्वास को पीछे छोड़ करके रहे। उन्होंने दिखाया है कि जब सही जानकारी पहुंचाई जाती है, तो वर्षों पुरानी सोच भी बदल सकती है।

: वीफ बॉक्स :

सिया-चेतन के सामने केतन मर्डर का सीन रीक्रिएट किया गया



पुणे,एजेंसी। पुणे मर्डर केस में पुलिस ने रविवार को केतन को लोहागढ़ किले से गिराने का सीन रीक्रिएट किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए पुलिस सुबह 6.30 बजे दोनों आरोपी सिया गायल और चेतन चौधरी को लोहागढ़ किले लेकर पहुंची। टीम करीब 2.30 घंटे किले पर रही।

डीएसपी गजानन टोंपे ने कहा... आज सुबह हम सिया गायल को घटनास्थल पर लेकर आए। उसके बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का सीन रीक्रिएशन किया। इसके लिए केतन के समान वजन का एक डमी तैयार किया गया, ताकि घटना को उसी तरह दोहराकर जांच की जा सके। इस बीच केस में पुलिस ने नया खुलासा किया कि सिया गायल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने गुगल पर लोहागढ़ किले के डेथ पॉइंट सर्च किए थे।

तिरुमाला मंदिर पहुंचे अनंत अंबानी, भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में अर्पित किए केश



हैदराबाद,एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने रविवार को आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी आस्था व्यक्त करते हुए परंपरा के अनुसार मुंडन कराकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के चरणों में अपने केश अर्पित किए।

मंदिर पहुंचने पर अनंत अंबानी ने पहले मुंडन संस्कार संपन्न कराया और इसके बाद विधि-विधान से भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। दर्शन के दौरान उन्होंने देश और समाज की सुख-समृद्धि तथा कल्याण की कामना की। उल्लेखनीय है कि अंबानी परिवार भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के प्रति अपनी गहरी आस्था के लिए जाना जाता है।

मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया

» पीएम को अब तक 33 देश सम्मानित कर चुके

विकटोरिया,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन' मिला है। इसके साथ ही अब प्रधानमंत्री मोदी को कुल 33 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित किए जाने पर सेशेल्स की जनता, सरकार और राष्ट्रपति पैट्रिक हमिनी का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों को मिलकर हिंद महासागर को अवसरो का महासागर बनाने में योगदान देना चाहिए।

सेशेल्स की पहली बस्ती में शामिल थे 5 भारतीय: पुर्तागाली

बोले- हिंद महासागर को अवसरो का महासागर बनाएं



नाविक वास्को द गामा ने पहली बार सेशेल्स को 1502 में खोज की थी। तब यहां पर लोगों की कोई स्थाई बसावट नहीं थी। इसके बाद कई सदियों तक अरब और यूरोपीय जहाज यहां रुकते रहे, लेकिन कोई स्थायी

सेशेल्स के पूर्व राष्ट्रपति के पूर्वज बिहार से... आज करीब 1.20 लाख आबादी वाले इस देश में भारतीय मूल के लोग लगभग 8% हैं। भारतीय मूल के लोगों में बिहारी समुदाय तीसरा सबसे बड़ा समूह माना जाता है। साल 2020 में राष्ट्रपति बने वेवेल रामकलावन की जड़ें भी बिहार से जुड़ी हैं। रामकलावन के परदादा करीब 138 साल पहले बिहार के गोपालगंज जिले के परसीनी गांव से कोलकाता पहुंचे थे। वहां से उन्हें गन्ने के खेतों में काम करने के लिए मॉरीशस भेजा गया। बाद में उनका परिवार सेशेल्स में बस गया। साल 2018 में, जब रामकलावन विपक्ष के सांसद थे, तब उन्होंने अपने पूर्वजों के गांव परसीनी का दौरा भी किया था।

आबादी नहीं बनी।

पहली बार 1770 में फ्रांस ने पहली स्थायी बस्ती बसाई। इसी दल में 15 फ्रांसीसी बसने वाले, 7 अफ्रीकी गुलाम और 5 भारतीय शामिल थे। इन्हें सेशेल्स का पहला स्थायी निवासी माना जाता है। इसके बाद 19वीं सदी

में ब्रिटिश शासन के दौरान बिहार के भोजपुरी भाषी इलाकों से भी लोग यहां आकर बसने लगे। 20वीं सदी से तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी, मजदूर और निर्माण कार्य से जुड़े लोग सेशेल्स पहुंचे।

कांग्रेस बोली: सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों की जानकारी छिपाई

सरकार ने कहा- यह दावा सही नहीं, रक्षा मंत्री का बयान गलत तरीके से दिखाया

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के 6 शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक करने के बाद विवाद हो गया है। कांग्रेस ने सरकार पर शहीदों के नाम छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा कहा, 'सरकार ने इन जवानों की शहादत एक साल तक सार्वजनिक नहीं की। उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।' उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए बयान का वीडियो झू पर शेयर किया। इसमें राजनाथ सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा।



खेड़ा ने कहा, 'दो ही संभावनाएं हैं। या तो रक्षा मंत्री को उस समय छह जवानों की शहादत की जानकारी नहीं थी या उन्होंने संसद को गुमराह किया। दोनों ही स्थितियां गंभीर हैं।'

उधर, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ के संसद में दिए गए बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा

रक्षा मंत्रालय ने राजनाथ के बयान पर भी राफाई दी... रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए भाषण के एक हिस्से को संदर्भ से अलग करके पेश किया गया। इससे यह गलत संदेश देने की कोशिश की गई कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में किसी भारतीय सैनिक के शहीद नहीं होने की बात कही थी।

है। इस पर रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह दावा गलत है कि शहीदों को पहली बार सम्मान मिला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया।

टीएमसी बागी गुट की 47 पूर्व पार्षदों के साथ बैठक

ममता गुट ने शिकायत दर्ज कराई, कहा- पार्टी के नाम-सिंबल का गलत इस्तेमाल हुआ

कोलकाता,एजेंसी। बैठक पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके में हुई। इससे पहले 22 जून को न्यू टाउन में भी बागी गुट की बैठक हुई थी। दोनों बैठकों में टीएमसी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं लगाई गई।

इधर, ममता बनर्जी गुट की डोला सेन ने न्यू टाउन और प्रगति मैदान थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में फजी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक संदेश प्रसारित करने के



साथ बिना अनुमति बैठक करने का भी आरोप लगाया गया है।

बागी गुट बोला- हम ही असली टीएमसी: बागी विधायक संदीपन साहा ने कहा कि उनकी ही असली तृणमूल कांग्रेस है। हमारे

पास पर्याप्त संख्या है। हम विधानसभा में प्रमुख विपक्ष हैं। साहा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन हो चुका है और जल्द ही राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में कोलकाता नगर निगम (KMC) चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई। इस साल दिसंबर में चुनाव हो सकते हैं। दरअसल, 8 जून को कोलकाता नगर निगम का बोर्ड भंग कर दिया गया था। इसके बाद सभी पार्षदों, चेयरपर्सन और मेयर-इन-

लेनों गुटों ने रेली की अनुमति मांगी... 21 जुलाई को शहीद दिवस पर होने वाली रेली के लिए ममता बनर्जी गुट और बागी गुट, दोनों ने कोलकाता के धर्मतला में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी है।

कार्गिल के सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो गया। प्रशासनिक जिम्मेदारी प्रशासक को सौंप दी गई। पूर्व मेयर फिरहाद हकीम इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

इसरो की बड़ी कामयाबी: सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड का सफल परीक्षण

2040 तक चंद्रमा पर कदम रखने की तैयारी

बेंगलुरु,एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड का 88 प्रतिशत लक्ष्य क्षमता (थ्रस्ट) पर सफल 'हॉट टेस्ट' करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

तमिलनाडु के महेन्द्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में किया गया यह परीक्षण नए प्रणोदन प्रणाली (प्रोपल्शन सिस्टम) के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह इंजन 175 टन के थ्रस्ट स्तर पर पूरी तरह स्थिर रहा।



इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि भारत ने उस क्रायोजेनिक इंजन तकनीक में महारत हासिल कर ली है, जो कभी उसे देने से इन्कार कर दी गई थी।

बेंगलुरु में '17वें एयर चीफ



मार्शल एल.एम. कत्रे मेमोरियल लेक्चर' के दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने इस प्रतिबंध को तकनीकी नेतृत्व में बदल दिया है। आज देश के पास तीन क्रायोजेनिक प्रोपल्शन सिस्टम हैं और इस प्रक्रिया में कई

विश्व रिकॉर्ड भी बने हैं। एलवीएम3 की बढ़ती ताकत, अगला लक्ष्य 200 टन थ्रस्ट इसरो के अनुसार, इससे पहले 47 प्रतिशत और 60 प्रतिशत थ्रस्ट पर भी सफल परीक्षण किए जा चुके हैं। इस नवीनतम सफलता से विज्ञानियों को अब 200 टन के पूर्ण-थ्रस्ट पर अंतिम प्रदर्शन करने का पर्याप्त आत्मविश्वास मिला।

इस सेमी-क्रायोजेनिक प्रोपल्शन स्टेज को भारत के हेवी-लिफ्ट राकेट एलवीएम3 के मौजूदा एल110 कोर स्टेज को बदलने के लिए विकसित किया जा रहा है। दो हजार किलोन्यूटन

2040 तक चंद्रमा पर कदम रखने की तैयारी... प्रेट के अनुसार, इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इसे एक 'बड़ी उपलब्धि' बताया हुए कहा कि यह परीक्षण थ्रस्ट चैबर को छोड़कर किया गया था, और अब विज्ञानी पूरे इंजन के परीक्षण के लिए तैयार हैं। गगनयान मिशन पर बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक अत्यधिक तकनीक-प्रधान मिशन है।

क्षमता वाले एसई2000 इंजन से लैस होने के बाद, यह अपग्रेड राकेट की पेलोड ले जाने की क्षमता को काफी बढ़ा देगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा : 52 भारतीय नेपाल में फंसे

चीन पर वीजा रोकने का आरोप; विदेश मंत्रालय से दखल की अपील

नई दिल्ली,एजेंसी। कैलाश मानसरोवर की पवित्र यात्रा पर निकले लगभग 52 भारतीय वर्तमान में नेपाल की राजधानी काठमांडू में फंसे हैं और मदद का इंतजार कर रहे हैं। राकांपा (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को यह जानकारी दी और विदेश मंत्रालय से मामले में हस्तक्षेप की अपील की ताकि श्रद्धालु अपनी आगे की यात्रा को सुचारु रूप से जारी रख सकें। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सुले ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास, बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास से आग्रह किया कि वे इस मामले पर ध्यान दें और आवश्यक सहायता प्रदान करें। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, काठमांडू में फंसे ये सभी यात्री पुणे के निवासी हैं। दावा है चीन की सरकार ने इन्हें यात्रा के लिए आवश्यक परमिट जारी कर दिए थे और शुल्क भी वसूल लिया था लेकिन अंतिम समय में उनके वीजा रोक दिए गए। पिछले चार दिनों से ये सभी यात्री काठमांडो में वीजा का इंतजार कर रहे हैं।

पांच साल बाद शुरू हुई यात्रा: कैलाश मानसरोवर यात्रा पर शुरुआत में 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण और बाद में पूर्वी लद्दाख में एलएसपी पर दोनों देशों में सैन्य गतिरोध के कारण रोक लगा दी गई थी। रूस के कजान में 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बहाल हुए और पांच साल बाद गत वर्ष जून में यात्रा बहाल हुई।

21 जून को तिब्बत में दाखिल हुआ श्रद्धालुओं का पहला जत्था: कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों का



विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी... वहीं, विदेश मंत्रालय ने निजी दूर ऑपरेटरों के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि उसे कई ऐसे अनुरोध मिले हैं, जिनमें भारतीय नागरिक नेपाल में फंसे हुए हैं, जो बिना चीन के जरूरी ऑपरेटरों की ओर से आयोजित यात्रा के जरिये कैलाश मानसरोवर यात्रा कर रहे थे। नागरिकों को सलाह दी गई है कि जब तक यात्रा के लिए सभी जरूरी दस्तावेज प्राप्त नहीं हो जाते, तब तक भारत से यात्रा शुरू न करें।

पहला जत्था 21 जून को नाथूला दर्रे से होते हुए चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत में दाखिल हुआ था। इस जत्थे में चार संपर्क अधिकारियों और एक चिकित्सा अधिकारी समेत कुल 44 तीर्थयात्री शामिल हैं। इस जत्थे को सिककिम के गवर्नर ओम प्रकाश माथुर ने पर्यटन मंत्री शेरिंग थेंडूप भूटिया हरी झंडी दिखाकर तिब्बत के ग्यांसे के लिए रवाना किया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी दिल्ली के फुटपाथों पर अतिक्रमण जारी, जोखिम में राहगीरों की जान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 19 जून को फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया था। कोर्ट ने अपने आदेश में यह स्पष्ट किया था कि यह अधिकार मोटर वाहनों के विशेषाधिकार से ऊपर है। इसके बाद यह उम्मीद जगी थी कि संबंधित एजेंसियां अब इसके क्रियान्वयन में लग जाएंगी, लेकिन चार दिन बाद भी दिल्ली में कहीं भी फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए कोई बड़ा अभियान नहीं शुरू किया गया है।

दुकान का सामान फुटपाथ पर लगा रहे: अब भी विभिन्न इलाकों में फुटपाथ पर अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग हो रही है, रेहड़ियां लगी हैं और दुकानदार अब भी अपनी दुकान का सामान फुटपाथ पर लगा रहे हैं। फुटपाथ पर अतिक्रमण का खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। उनको सड़क पर जाना पड़ता है, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है। दिल्ली में हर साल 600 से अधिक राहगीरों की सड़क हादसों में मौत हो जाती है। वर्ष 2022 में फुटपाथ पर अतिक्रमण होने से सड़क पर चलने वाले 629 राहगीरों की सड़क हादसों में मौत हो गई थी। इसी तरह 2023 में 622, 2024 में 624 और 2025 में 649 राहगीरों की सड़क हादसों में मौत हो गई। इसके बावजूद एनडीएमसी, एमसीडी, पुलिस-प्रशासन अब तक कोई सख्ती नहीं दिखाई जा रही है। निगमबोध घाट के सामने रिंग रोड के एक तरफ फुटपाथ पर दुकानदारों ने न



केवल अपनी दुकानों का सामान फैला रखा है, बल्कि तिरपाल टांग कर रहने के लिए आशियाने भी बना लिए हैं। फुटपाथ पूरी तरह ब्लाक होने के कारण राहगीरों को मजबूरी में तेज रफ्तार गाड़ियों के बीच मुख्य मार्ग या सर्विस लेन पर चलना पड़ रहा है। यही चिंताजनक स्थिति पुरानी दिल्ली और उसके आसपास के प्रमुख ऐतिहासिक बाजारों में भी है।

चांदनी चौक: फुटपाथ पर खड़ी होती हैं बाइक: चांदनी चौक स्थित टाउन हाल के समीप गांधी पार्क की दीवार के पास साइकिल और फुटपाथ पर मोटरसाइकिल खड़ी की जाती हैं। इससे राहगीरों को आवाजाही करने के लिए जगह नहीं बजती। इसी तरह श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग के फुटपाथ को अब पूरी तरह से रिव्शा स्टैंड बना दिया गया है।

पंजाब में एक जुलाई से लागू होगी नई ग्रामीण ‘जी राम जी’ योजना, 125 दिन काम की गारंटी



चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना एक जुलाई 2026 से लागू होने जा रही है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत पूरे राज्य में नई ग्रामीण रोजगार व्यवस्था शुरू की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराना, गांवों में आजीविका के अवसर बढ़ाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। यह केंद्र प्रयोजित योजना है, जिसमें व्यय का बंटवारा 60:40 के अनुपात में किया गया है। कुल लागत का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार खर्च करेगी। योजना के संचालन की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के माध्यम से निभाई जाएगी।

125 दिन मिलेगा रोजगार: योजना के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों तक अकुशल श्रम कार्य की कानूनी गारंटी मिलेगी। रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। योजना का उद्देश्य गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाना और जरूरतमंद परिवारों को आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध कराना है। योजना में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि कार्यों में ठेकेदारों की नियुक्ति नहीं होगी और मशीनों का उपयोग भी सीमित रहेगा। इससे अधिक से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध करने में मदद मिलेगी।

15 दिन में करना होगा मजदूरी का भुगतान: मजदूरों के हितों की सुरक्षा के लिए अधिनियम में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। यदि कार्य करने वाले श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान नहीं किया जाता है, तो उन्हें प्रतिदिन 0.05 प्रतिशत की दर से विलंब मुआवजा दिया जाएगा। वहीं यदि रोजगार मांगने के 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो पात्र परिवारों को बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है।

33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित: योजना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। कुल रोजगार का कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित रखा गया है। इसके अलावा बुजुर्गों और दिव्यांगों को भी योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाना, स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देना और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। एक जुलाई से योजना लागू होने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है।

सावधान हो जाए हिमाचल के लोग 2-3 जुलाई को आएगा मानसून, रिकॉर्ड तोड़ बारिश की संभावना

शिमला, एजेंसी। उत्तराखंड में चार दिनों में मानसून के प्रवेश करने का अनुमान है। स्थितियां अनुकूल रही तो हिमाचल प्रदेश में 2 या 3 जुलाई को मानसून प्रवेश कर सकता है। जुलाई माह में सामान्य से कम वर्षा बताई जा रही है। प्रदेश में सामान्य तौर पर 25 जून को मानसून प्रवेश करता है। ऐसे में इस बार मानसून देर से प्रवेश कर रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 1, 2 व 3 जुलाई को प्रदेश में भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात और अन्य क्षेत्रों में व्यापक वर्षा की संभावना जताई गई है। शनिवार को धर्मशाला में 17 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जबकि शिमला सहित डियोग, नारकंड, कुफरी और मशोबरा में भी वर्षा हुई है। प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान सबसे अधिक वर्षा शिमला के मशोबरा में 41, शिलारु में 32, सुजापुर में 18 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। प्रदेश में दिन के तापमान में एक से तीन डिग्री तक का अंतर दर्ज किया गया है। कुछ स्थानों पर वृद्धि तो कुछ में गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में सबसे अधिक वृद्धि शिमला में 3 डिग्री की दर्ज की गई है।

दिल्ली, उत्तराखंड में आतंकी हमले का अलर्ट, धार्मिक जगहों और सरकारी संस्थानों की बढ़ाई गई निगरानी



देहरादून, नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार व निहगों में कई दिनों तक चले टकराव के बीच आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। एक ईमेल में दिल्ली और उत्तराखंड के कई मंदिरों के साथ सरकारी दफ्तरों, रेलवे स्टेशनों और पुलिस को निशाना बनाते हुए आतंकी हमले की धमकी दी गई है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इंटेलिजेंस एजेंसियों ने संभावित खतरे के बाद दिल्ली और उत्तराखंड के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें खास धार्मिक जगहों, सरकारी

स्थानों और पुलिस ठिकानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि धमकी भरे संदेश में कथित तौर पर कुछ राजनीतिक नेताओं का भी जिक्र है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। अलर्ट के बाद दिल्ली व उत्तराखंड पुलिस और केंद्रीय इंटेलिजेंस एजेंसियों ने सावधानी के तौर पर संवेदनशील और ज्यादा आवाजाही वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि खास धार्मिक स्थलों, ट्रांसपोर्ट हब और सरकारी इमारतों पर तैनाती बढ़ा दी गई है, जबकि स्थानीय पुलिस को अलर्ट रहने और पेट्रोलिंग तेज करने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने ईमेल की असलियत का पता लगाने के लिए भी जांच शुरू कर दी है। साइबर एक्सपर्ट संदेश के डिजिटल ट्रेल को खंगाल रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अभी तक किसी संभावित हमले के समय या सही जगह के बारे में कोई खास जानकारी नहीं मिली है। साथ ही उन्होंने कहा कि अलर्ट की गंभीरता को देखते हुए बचाव के उपाय किए जा रहे हैं।

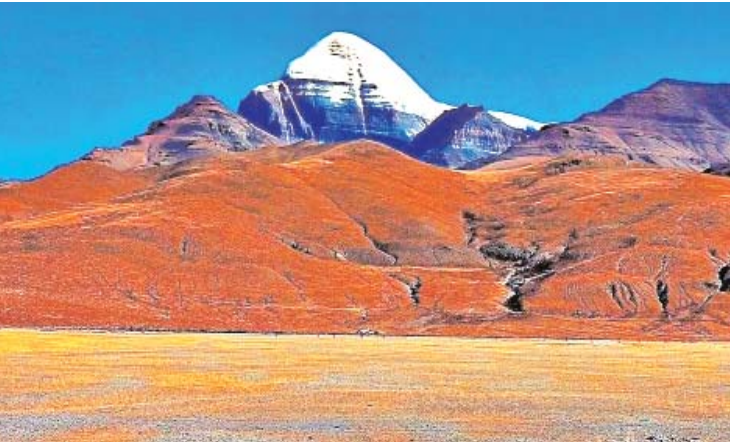
एक साल से जारी विरोध प्रदर्शन के बीच राष्ट्रपति वुसिक ने छोड़ा पद

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने घोषणा की है कि वह अगले कुछ हफ्तों में अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनके इस फैसले के बाद देश में समय से पहले चुनाव होने की संभावना बढ़ गई है। पिछले एक साल से छात्र और युवा संगठन सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और जल्द संसदीय चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। **इस्तीफे और चुनाव की तारीख का इंतजार:** शनिवार को राजधानी बेलग्रेड में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए वुसिक ने कहा कि वह कुछ सप्ताह तक ही राष्ट्रपति रहेंगे और उसके बाद इस्तीफा दे देंगे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस्तीफा कब देंगे और चुनाव की तारीख क्या होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में वह अपनी पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी के लिए प्रचार करेंगे और उन्हें भरोसा है कि उनकी पार्टी पहले से भी बड़ी जीत दर्ज करेगी। **लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते वुसिक:** सर्बिया के कानून के अनुसार वुसिक लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते। उनका दूसरा कार्यकाल चल रहा है और नियमित राष्ट्रपति तथा संसदीय चुनाव अगले वर्ष होने हैं। पिछले एक साल से देशभर में छात्र और युवा संगठन वुसिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा: एमईए ने जारी की एडवाइजरी, क्यों कहा- निजी टूर ऑपरेटरों पर भरोसा न करें तीर्थयात्री

काठमांडू, एजेंसी। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद फिर से शुरू हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर विदेश मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। नेपाल में कई भारतीय श्रद्धालुओं के फंसने की घटनाओं के बाद मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि चीन में प्रवेश के लिए आवश्यक वीजा और परमिट के बिना यात्रा शुरू करना गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है। मंत्रालय ने श्रद्धालुओं से केवल अधिकृत टूर ऑपरेटरों के माध्यम से यात्रा करने और सभी जरूरी दस्तावेज मिलने के बाद ही घर से रवाना होने की अपील की है।

नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं ने मांगी मदद: विदेश मंत्रालय ने बताया कि उसे नेपाल में फंसे कई भारतीय नागरिकों से सहायता के अनुरोध मिले हैं। ये श्रद्धालु निजी टूर ऑपरेटरों के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे, लेकिन उनके पास चीन में प्रवेश के लिए आवश्यक वीजा और परमिट उपलब्ध नहीं थे। दस्तावेजों की कमी के कारण उन्हें आगे की यात्रा जारी रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।



बिना पूरे दस्तावेज यात्रा शुरू न करें: मंत्रालय ने साफ कहा है कि श्रद्धालु भारत से अपनी यात्रा तभी शुरू करें, जब पूरी यात्रा के लिए जरूरी सभी दस्तावेज उनके पास उपलब्ध हों। केवल इस उम्मीद में यात्रा शुरू करना कि वीजा या परमिट बाद में मिल जाएगा, यात्रियों के फंसने का वीजा और परमिट उपलब्ध नहीं थे। दस्तावेजों की कमी के कारण उन्हें आगे औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही यात्रा आरंभ करें।

अधिकृत टूर ऑपरेटर का ही करें

चयन: विदेश मंत्रालय ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा बुक कराने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि उनका टूर ऑपरेटर विधिवत पंजीकृत और अधिकृत है। अधिकृत ऑपरेटर के माध्यम से यात्रा करने से दस्तावेजी प्रक्रिया सही ढंग से पूरी होती है और यात्रा के दौरान किसी भी तरह की परेशानी या अनावश्यक जोखिम से बचा जा सकता है।

पांच साल बाद फिर शुरू हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा: काविड-19



विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि इटली का बयान विरोधाभासी और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है। बघाई ने कहा कि हमलावर देशों को समर्थन देने के बराबर है। ऐसी सहायता संयुक्त राष्ट्र चार्टर की

सीधी भागीदारी के बराबर है। उन्होंने कहा कि यह केवल सहयोग नहीं, बल्कि एक स्पष्ट और प्रत्यक्ष योगदान है, जिसने अमेरिका और इस्माइल के कथित आक्रामक युद्ध को संभव बनाया। इटली एक तरफ सार्वजनिक रूप से हमलावरों की मदद से इनकार कर रहा है। जबकि दूसरी ओर तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग देने की बात स्वीकार कर रहा है। यह गंभीर अंतरराष्ट्रीय गलत कार्रवाई में शामिल होने जैसा है। तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता देना अवैध युद्ध को सीधे समर्थन देने के बराबर है। ऐसी सहायता संयुक्त राष्ट्र चार्टर की

भावना के भी खिलाफ है। **इटली ने अपने बचाव में क्या कहा है:** इससे पहले इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से टेलीफोन पर बातचीत की थी। तजानी ने स्पष्ट किया कि इटली ने कभी भी ईरान के खिलाफ किसी सैन्य अभियान में हिस्सा नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि इटली ने अपने किसी भी सैन्य अंश को ईरान के खिलाफ युद्ध संबंधी कार्रवाई के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला अमेरिका के साथ हुई संधियों का पूरी तरह सम्मान करते हुए लिया गया है।

अब सिर्फ खास गोल्ड मेडलिस्ट का ही होगा गोल्डन डे

गोरखपुर ,एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) के आगामी दीक्षांत समारोह में इस बार सिर्फ खास गोल्ड मेडलिस्ट ही मुख्य मंच तक पहुंच सकेगे। कुलाधिपति कार्यालय के निर्देश पर पहली बार इस व्यवस्था में बदलाव किया गया है। केवल 25 गोल्ड मेडलिस्ट को ही कुलाधिपति (राज्यपाल) के हाथों स्वर्ण पदक दिलाने का निर्णय लिया गया है। शेष छात्र-छात्राओं को पदक अलग से प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह फैसला समारोह को तय समय में संपन्न कराने के लिए लिया गया है। सभी गोल्ड मेडलिस्ट को मुख्य मंच पर बुलाया जाएगा तो समारोह की अवधि काफी बढ़ जाएगी। इसी कारण सीमित संख्या में विद्यार्थियों को कुलाधिपति के हाथों प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। मुख्य मंच पर सम्मानित किए जाने वाले 25 विद्यार्थियों का चयन विश्वविद्यालय तय मानकों के आधार पर करेगा। इस निर्णय को लेकर कुछ गोल्ड मेडलिस्ट निराश हो सकते हैं, क्योंकि अधिकतर गोल्ड मेडलिस्ट राज्यपाल के हाथों सम्मान पाने की अपेक्षा रखते हैं। अभी तक सभी गोल्ड मेडलिस्ट को राज्यपाल के हाथों ही मेडल प्राप्त करने का अवसर मिलता रहा है। हालांकि कुलपति ने सभी गोल्ड मेडलिस्ट को मंच से सम्मान दिलाने का प्रयास करने की बात भी कही है। दीक्षांत समारोह में दिए जाते हैं 158 स्वर्ण पदक दीक्षांत समारोह में मेधावियों को 158 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

दिल्ली के होटल में पुलिस की गुंडागर्दी, महिलाओं से मारपीट के आरोप में एसआई पर गिरी गाज

नईदिल्ली, एजेंसी। आदर्श नगर इलाके में स्थित एक होटल में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें थपड़ मारे गए। इस घटना की वीडियो प्रसारित होने के बाद सब इंस्पेक्टर हिमांशु को लाइन हॉजिर कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आदर्श नगर इलाके में स्थित होटल क्लाउड इन होटल, पंचवटी से पुलिस कार्रवाई का एक वीडियो प्रसारित हुआ। यह घटना तीन दिन पुरानी है और वीडियो में एक सब इंस्पेक्टर पुलिस कार्रवाई के दौरान दो महिलाओं को थपड़ मारता हुआ दिखाई दे रहा है। देर रात होटल में दो पक्षों के बीच हुए विवाद की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि कार्रवाई के दौरान आरोपित पुलिसकर्मी ने एक महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी में दो महिलाओं को थपड़ मारे। वहीं, मामले में दूसरा पक्ष भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगा रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि दूसरे पक्ष की एक



महिला भी झड़प में घायल हुई है। फिलहाल आदर्श नगर थाना पुलिस पूरे मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि फुटेंज और दोनों पक्षों के आरोपों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना में मौके पर मौजूद महिला पुलिस के भी बयान लिए गए हैं हालांकि उनके खिलाफ अभी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस फुटेंज के आधार पर डीसीपी आकांशा यादव ने एसआई को लाइन हॉजिर कर मामले की जांच जिले के सतर्कता शाखा को सौंप दी है। उनका कहना है कि बृहस्पतिवार देर रात करीब डेढ़ बजे महिलाओं

के दो समूहों में झगड़े की सूचना मिली थी। इस जानकारी के बाद आदर्श नगर थाने से एसआई हिमांशु पुलिसकर्मियों के साथ होटल में पहुंचे। इनमें एक महिला के पैर से खून निकल रहा था। जांच में मालूम हुआ कि यह महिला तीन साथियों के साथ इस होटल में पहुंची थी। इसी होटल में बुराड़ी निवासी एक और महिला भी रुकी थी। बताया जाता है कि दोनों समूहों में रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। घायल महिला का बीजेआरएम अस्पताल में मेडिकल कराया गया।अब पुलिस इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को जांच में शामिल करने के लिए नोटिस दिया है।

सीधी में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नवजात को पिलाई ‘दो बूंद जिंदगी की



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत सीधी जिले में रविवार को जिला चिकित्सालय परिसर से अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नवजात बालिका अद्विता सिंह को ‘दो बूंद जिंदगी की’ पोलियो वैक्सीन पिलाकर किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पोलियो मुक्त भारत की उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक समय पर वैक्सीन पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है अभियान के दौरान स्वास्थ्य

विभाग और जिला प्रशासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई पहल भी की गई शहरी क्षेत्रों में पोलियो वैक्सीन के परिवहन के लिए ईवी (इलेक्ट्रिक) ऑटो का उपयोग किया गया जिससे न केवल प्रदूषण कम करने का संदेश दिया गया बल्कि हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे, सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे सहित वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्य



अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ, एएनएम और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई और अभिभावकों से अपील की कि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे ने कहा कि पोलियो से बचाव के लिए सभी 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को अनिवार्य रूप से ‘दो बूंद जिंदगी की’ पिलाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के बिना पोलियो उन्मूलन का लक्ष्य पूरा नहीं हो

सकता इसलिए सभी नागरिकों को इसमें सक्रिय सहयोग देना चाहिए। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में दो-दो मॉडल पोलियो बूथ स्थापित किए गए। विभिन्न विकासखंडों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इन बूथों का उद्घाटन कर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई सेमरिया, सिहावल, कुसमी, रामपुर नैकिन, चुरहट और मझौली सहित सभी क्षेत्रों में मॉडल बूथों पर विशेष व्यवस्थाएं की गईं। सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार खरे ने बताया कि जिले में कुल 1,92,650 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इसके लिए 2,25,784 घंरों तक स्वास्थ्य विभाग की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी अभियान के पहले दिन 1,182 पोलियो बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई गई जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्य टीम में घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। अभियान के सफल संचालन

के लिए 1,376 टीमों, 2,762 वैक्सीनेटर, 184 सुपरवाइजर, 25 ट्रेजेंट बूथ और 6 विशेष मोबाइल टीमों तैनात की गई हैं अधिकारियों ने अभियान की शुरुआत के बाद विभिन्न बूथों का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बूथों पर कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत की और अभिभावकों से बच्चों के टीकाकरण की जानकारी प्राप्त की सीएमएचओ ने कहा कि यदि एक भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित रह जाता है तो सुरक्षा चक्र कमजोर पड़ सकता है इसलिए अभियान को पूरी गंभीरता से लागू किया जा रहा है उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि जो बच्चे किसी कारणवश बूथ पर पोलियो की खुराक नहीं ले सके हैं उन्हें 29 और 30 जून को घर-घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीम से अवश्य दवा दिलवाएं उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहभागिता और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से सीधी जिला इस अभियान में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करेगा।

पीडब्ल्यूडी सागर-छतरपुर संभाग में भ्रष्टाचार के आरोप, जांच और कार्रवाई की मांग तेज



मौडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एक बार फिर गंभीर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर चर्चा में है। सागर संभाग के अंतर्गत छतरपुर और सागर क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों से लेकर सरकारी संपत्तियों के कथित घोटालों तक कई मामलों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं जानकारी के अनुसार आरोप है कि पीडब्ल्यूडी के कुछ वरिष्ठ अधिकारी (सी एंड ई स्तर) और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत से कई निर्माण कार्यों में अनियमितताएं की जा रही हैं दावा किया जा रहा है कि इन

अधिकारियों द्वारा ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाकर सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले सामने आए हैं इससे शासन को आर्थिक नुकसान होने और जनता के पैसों के दुरुपयोग के आरोप लगाए जा रहे हैं इसी क्रम में छतरपुर और सागर क्षेत्र में सड़क निर्माण और पैचवर्क कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे हैं बड़ा महहरा क्षेत्र के बमनोरा-हीरापुर मार्ग पर किए जा रहे पैचवर्क कार्य के दौरान घटिया सामग्री के उपयोग और खराब निर्माण गुणवत्ता की शिकायत सामने आई थी निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि इस्तेमाल किया गया बिटुमिन कार्य हाथ लगाते ही उखड़ने लगा जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हुए इस मामले में जनप्रतिनिधियों ने भी आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके अलावा छतरपुर में पीडब्ल्यूडी से जुड़े एक कथित सरकारी संपत्ति घोटाले का मामला भी सामने आया है जिसे ‘हाउस ऑफ दफ्तरी वाला’ प्रकरण बताया जा रहा है आरोप है कि इस मामले में अधिकारियों की मिलीभगत से लगभग 9 करोड़ रुपये मूल्य

की सरकारी इमारत को मात्र 84 लाख रुपये में निजी हाथों में बेच दिया गया इस खुलासे के बाद प्रशासनिक स्तर पर हलचल मच गई थी मामले में कार्रवाई के तहत एसओ कमलेश मिश्रा को निर्लंबित किया गया था हालांकि बाद में कथित रूप से पुनः उन्हें एसडीओ पद पर पदस्थ किए जाने को लेकर भी सवाल उठे हैं आरोप यह भी है कि इस पूरी प्रक्रिया में विभागीय प्रभाव और दबाव की भूमिका रही। प्रकरण में मुख्य अभियंता (सागर संभाग) द्वारा जांच के बाद तीन अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्लंबित किया गया था वहीं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री (ईई) सहित अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की बात सामने आई है। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा उच्च स्तरीय जांच की मांग तेज कर दी गई है उनका कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो भ्रष्टाचार के ऐसे मामले लगातार बढ़ते रहेंगे और जनता के विकास कार्य प्रभावित होंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए प्रतिभाशाली बच्चों के नामांकन आमंत्रित, 20 जुलाई तक प्रस्ताव भेजने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा और उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्वीत समन्वयकों तथा शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रधानाध्यापकों को पात्र बच्चों की पहचान कर उनके प्रस्ताव निर्धारित समय-सीमा में भेजने के निर्देश जारी किए हैं। जिला परियोजना समन्वयक, जिला

शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं इस पुरस्कार का उद्देश्य न केवल प्रतिभाशाली बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना है, बल्कि अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रेरित करना भी है निर्देशों के अनुसार 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे।

विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कमजोर वर्गों तथा दिव्यांग बच्चों की उपलब्धियों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है ताकि समाज के सभी वर्गों की प्रतिभाओं को समान अवसर मिल सके और उन्हें राष्ट्रीय मंच पर पहचान मिल सके भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर इस पुरस्कार के लिए नामांकन प्रक्रिया 1 अप्रैल से 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन संचालित रहेगी इसके तहत जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक स्तर पर प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करने का अभियान चलाया जाएगा प्रत्येक विकासखंड स्वीत समन्वयक को अपने क्षेत्र से कम से कम पांच पात्र बच्चों के

प्रस्ताव तैयार कर जिला शिक्षा केन्द्र को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। नामांकन के लिए प्रस्ताव के साथ बच्चों की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण, प्रमाण-पत्र, संबंधित दस्तावेज, उच्च गुणवत्ता के फोटोग्राफ तथा आवश्यकतानुसार वीडियो भी संलग्न करना अनिवार्य होगा ताकि राष्ट्रीय स्तर पर उनके कार्यों का सही और प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके जिला परियोजना समन्वयक ने सभी विद्यालय प्रमुखों, शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे बच्चों की पहचान करें जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

सिंगरौली में नो-एंट्री तोड़ने पर ट्रक चालक पर 31 हजार का जुर्माना, कोर्ट ने सुनाया फैसला



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले एक ट्रक चालक पर अदालत ने सख्त कार्रवाई करते हुए 31 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है यह मामला नो-एंट्री क्षेत्र में वाहन प्रवेश और पुलिस के रोकने के इशारे को नजरअंदाज करने से जुड़ा है घटना 26 जून की बताई जा रही है।

जयंत नो-एंट्री क्षेत्र में तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने एक ट्रक को रोकने का इशारा किया था लेकिन चालक ने इसे अनदेखा करते हुए वाहन आगे बढ़ा दिया नियमों का उल्लंघन होते देख पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए राजीव चौक पर घेरबंदी कर ट्रक को रोक लिया। इसके बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की और मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया पूरी जांच और सुनवाई के बाद कोर्ट ने पाया कि चालक ने स्पष्ट रूप से नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन किया था और पुलिस के निर्देशों की अवहेलना की थी। इस आधार पर अदालत ने ट्रक चालक पर 31 हजार रुपये का जुर्माना लगाया यह निर्णय ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है ट्रैफिक थाना प्रभारी दीपें

सिंह ने बताया कि संबंधित चालक को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने से रोका गया था लेकिन उसने पुलिस के निर्देशों को अनसुना कर दिया उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करती है। पुलिस ने इस कार्रवाई के बाद सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे नो-एंट्री क्षेत्रों के नियमों का पालन करें और ट्रैफिक पुलिस के संकेतों का समान करें अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ताकि सड़क व्यवस्था और सुरक्षा बनी रहे इस घटना के बाद स्थानीय स्तर पर भी ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है ताकि ऐसे उल्लंघनों को रोका जा सके और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके।

सीधी में कृषि चौपाल के दौरान एसडीएम ने खुद चलाया ट्रैक्टर, किसानों की समस्याएं सुनकर दिया समाधान का भरोसा



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम भीतरी में रविवार को आयोजित कृषि चौपाल केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं रही बल्कि प्रशासन और किसानों के बीच भरोसे और सहभागिता का एक अनूठा उदाहरण भी बनी। कार्यक्रम में एसडीएम विकास कुमार आनंद ने किसानों की समस्याएं सुनी

और इसके बाद स्वयं ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई की अधिकारियों की इस पहल को किसानों ने सराहा और इसे प्रशासन की जमीनी स्तर पर सक्रियता का सकारात्मक संदेश बताया कृषि चौपाल में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान एसडीएम विकास कुमार आनंद और नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी ने

किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने अधिकारियों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, डीएपी उर्वरक के विकल्प, नरवाई प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन और पशुधन क्रय से संबंधित विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया भी समझाई गई कार्यक्रम में कृषि, पशु चिकित्सा और उद्यानिकी विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने भी भाग लिया उन्होंने आधुनिक खेती की तकनीकों, उन्नत बीजों के उपयोग, फसल उत्पादन बढ़ाने के उपाय, जैविक खेती और

बागवानी के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी अधिकारियों ने किसानों को बदलते मौसम और नई कृषि तकनीकों के अनुरूप खेती अपनाने की सलाह भी दी। कार्यक्रम का सबसे विशेष क्षण तब आया जब एसडीएम विकास कुमार आनंद ग्राम भीतरी स्थित खसरा नंबर 2436/2, रकबा 0.8860 हेक्टेयर के खेत में पहुंचे और स्वयं ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई की यह खेत कुमुदेश्वर अग्निहोत्री, अनिल कुमार अग्निहोत्री और अशोक कुमार अग्निहोत्री का है एसडीएम की इस पहल का उद्देश्य किसानों के साथ सीधे जुड़व स्थापित करना और यह संदेश देना था।

मोहर्रम के तीसरे दिन बड़ी दरगाह रीवा में तीजा फातिया कार्यक्रम श्रद्धा और धूमधाम से सम्पन्न



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बड़ी दरगाह, अमहिया कर्बला में मोहर्रम के तीसरे दिन चांद की 12 तारीख को हजरत इमाम हुसैन रजी अल्लाह तआला अन्हु और कर्बला के 72 शहीदों की याद में तीजा फातिया,मिलाद और लंगर का आयोजन श्रद्धा और धूमधाम से किया गया सुबह 9 बजे मिलाद का आयोजन हुआ, जिसके बाद लगभग 11 बजे से फातिहाखानी शुरू हुई जो करीब डेढ़ बजे तक चली इसके बाद शहर से आए अखाड़ा दलों और ढोल-ताशा समूहों ने अपने करतब प्रस्तुत किए इस दौरान लोगों के बीच

लंगर और शरबत का वितरण भी किया गया। वक्फ इतजामिया कमेटी बड़ी दरगाह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए पुलिस प्रशासन, एसपी श्री गुरचरण सिंह, अमहिया थाना, यातायात पुलिस, नगर निगम एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इकबाल, गुलाम मोहम्मद राजू, मोहम्मद अली, एडवोकेट इमाम वक्श, समीम सौदागर, खालिक खान, सरपरस्त एवं पूर्व पार्षद अकरम अंसारी सहित कई गणमान्य लोग और स्थानीय युवा उपस्थित रहे।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और नागरिकों में योग के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की पहल पर

रविवार सुबह सर्किट हाउस परिसर में निःशुल्क सामूहिक योग सत्र का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं योगाभ्यास कर नागरिकों को

नियमित योग अपनाने का संदेश दिया कार्यक्रम का आयोजन पतंजलि योग समिति, गायत्री परिवार और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अनुभवी

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में किया गया। योग सत्र में बड़ी संख्या में नागरिकों, अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मानसिक तनाव में भी कमी आती है और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार

होता है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें जिला प्रशासन के अनुसार यह निःशुल्क सामूहिक योग सत्र अब प्रत्येक रविवार सुबह 6 बजे सर्किट हाउस परिसर में नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा इसका उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़कर ‘स्वस्थ सीधी, स्वस्थ समाज’ की अवधारणा को साकार करना है। कार्यक्रम में मौजूद प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया तथा इनके

लाभों की विस्तृत जानकारी दी प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नियमित योग सत्र से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस पहल से जुड़कर प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले योग सत्र में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाएं। यह कार्यक्रम न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा बल्कि सामाजिक एकता और मानसिक संतुलन को भी मजबूत करेगा।

हमारा देश भारत एक विशाल देश है। भारत की आबादी लगभग एक सौ तैतलिस करोड़ है। भारत एक सुंदर और विविधताओं से भरा हुआ देश है। हमारे देश की अनूठी संस्कृति है जिससे भारत की पूरे विश्व में अलग ही पहचान है। आज भारत हर क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान बना रहा है और विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन देश में बढ़ता नशा चिंता का विषय है। यह एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। यह नशा विशेषकर युवाओं और किशोरों में बहुत अधिक बढ़ रहा है। स्कूल और कॉलेजों के छात्रों को नशा करते हुए देखा जा सकता है। नशे का इस प्रकार बढ़ता प्रचलन एक गंभीर सामाजिक

और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यह समस्या केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गांव में भी तेजी से फैल रही है। हेरोइन, कोकीन और चिट्ठा आदि नशे बहुत अधिक खतरनाक हैं। इस तरह के नशे पारंपरिक नशे से भी कई गुणा भयानक हैं। नशे के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ रहा है जिससे एचआईवी हेपेटाइटिस का खतरा बढ़ रहा है। इस प्रकार का नशा हमारे देश की युवा पीढ़ी को

दीमक की तरह चट कर रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है जिसकी औसत आयु मात्र 29 वर्ष है। देश की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम आयु वर्ग की है। यह युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। यदि यही युवा पीढ़ी नशे के गर्त में डूबती जाएगी तो देश के भविष्य का क्या होगा।

देश में नशा क्यों बढ़ रहा है, यह गंभीर चिंतन का विषय है। देश और युवा वर्ग तथा किशोरों के भविष्य को देखते हुए इस नशे पर लगाम लगानी ही होगी। दूसरे देशों से होने वाली नशे की तस्करी को सख्ती से रोकना होगा। तस्करों पर लगाम लगाने के लिए सख्त से सख्त कानून बनाने होंगे ताकि वे लोग

ऐसा घिनौना कार्य करने से पहले दस बार सोचें। क्योंकि धन के लालच में जो लोग देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, किसी भी सूरत में बचने नहीं चाहिए। हमें नशे की रोकथाम के लिए केवल सरकार पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसके लिए अपने स्तर पर भी प्रयास करने होंगे। अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने होंगे कि वे नशे से दूर रहें। इसके साथ ही स्कूल और कॉलेज में भी अध्यापकों के साथ लगातार संपर्क बनाकर रखना होगा, ताकि अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। नशा न केवल शारीरिक नुकसान पहुंचाता है बल्कि

आर्थिक रूप से भी कंगाल बना देता है। हेरोइन और कोकीन या चिट्ठा आदि ऐसे नशे हैं जिनसे छुटकारा पाना तो बहुत ही मुश्किल है, कई बार तो इसके अधिक सेवन करने से मौत भी हो जाती है। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं होगा, तो व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं होगा। वह युवा या व्यक्ति अपने घर, समाज और अपने देश के लिए कुछ नहीं कर सकता। इससे कई घर बर्बाद हो गए हैं या हो जाते हैं। मां-बाप अपने ही बच्चों के सामने असहाय महसूस करने पर मजबूर हो जाते हैं। इसलिए नशाबाजी रोकने के लिए ठोस उपाय करने होंगे।

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0

साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

कतिलाल मांडेठ

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट आधारित वित्तीय सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगों ने भी अपनी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया है। इन अपराधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका तथाकथित म्यूल अकाउंट या फर्जी बैंक खातों की होती है, जिनका उपयोग अवैध रूप से प्राप्त धनराशि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसी समस्या से निपटने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भरूच साइबर क्राइम पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

भरूच में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराध केवल कंप्यूटर या मोबाइल तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं, जो बैंक खातों, मोबाइल सिम कार्ड और डिजिटल पहचान का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देते हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों ने फर्जी पहचान पर्चों और गलत दस्तावेजों की सहायता से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धन को जमा करने और बाद में अन्य खातों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था।

साइबर अपराध की दुनिया में म्यूल अकाउंट एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सामान्य भाषा में इसे ऐसे बैंक खाते के रूप में समझा जा सकता है जिसका उपयोग अपराधी अपने अवैध लेन-देन को छिपाने के लिए करते हैं। कई बार अपराधी स्वयं खाते नहीं खोलते, बल्कि दूसरे लोगों को लालच देकर या उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर खाते खुलवा लेते हैं। इसके बाद ठगी से प्राप्त धन इन खातों में जमा किया जाता है और फिर कई चरणों में विभिन्न खातों में भेजकर उसके स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता है। इससे जांच एजेंसियों के लिए वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

भरूच में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि उन्होंने पहले से खरीदे गए मोबाइल सिम कार्डों को बैंक खातों से जोड़ रखा था। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इन खातों में जमा होती थी और फिर उसे विभिन्न माध्यमों से आगे भेज दिया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का उद्देश्य अवैध धन के प्रवाह को वैध दिखाना और जांच एजेंसियों को भ्रमित करना था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज बरामद किए हैं, जो इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते हैं।

गुजरात पुलिस का ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साइबर अपराधों की जड़ें तक पहुंचने का प्रयास भी है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। फर्जी कॉल, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, ऑनलाइन नौकरी का झांसा, केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लोन ऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों ने आम नागरिकों की सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इन अपराधों में प्राप्त धनराशि को छिपाने के लिए म्यूल खातों का उपयोग व्यापक स्तर पर किया जाता है। इसलिए इन खातों के नेटवर्क को तोड़ना साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

देश में बढ़ती नशाखोरी

विनम्रता बनाम दादागिरी-व्यक्तित्व, नेतृत्व और सफलता की असली कसौटी –समग्र व्यापक

विनम्रता और दादागिरी दो विपरीत मानवीय प्रवृत्तियाँ हैं । विनम्रता में सम्मान, सहिष्णुता, संवाद, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का समावेश होता है, जबकि दादागिरी में अहंकार, भय, दबाव, असहिष्णुता और दूसरों को नियंत्रित करने की मानसिकता शामिल होती है । मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि विनम्र व्यक्ति अपनी उपलब्धियों केबावजूद सहज बना रहता है, जबकि दादागीर व्यक्ति छोटी उपलब्धियों को भी अपने अहंकार का आधार बना लेता है ।यही कारण है कि समाज में विनम्र व्यक्तियों को दीर्घकालिक सम्मान मिलता है ।

वैश्विक स्तरपर आज का युग प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन और प्रभाव का युग माना जाता है। सोशल मीडिया से लेकर कॉर्पोरेट जगत, राजनीति से लेकर सामाजिक जीवन तक हर जगह स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने की होड़ दिखाई देती है। ऐसे वातावरण में अनेक लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि कठोरता, दबंगई, दादागिरी और दूसरों पर अपना प्रभाव थोपना ही सफलता का मार्ग है। कुछ समय के लिए यह तरीका प्रभावशाली दिखाई दे सकता है, लेकिन इतिहास, समाज और मानव मनोविज्ञान का गहन अध्ययन बताता है कि स्थायी सफलता, सम्मान और नेतृत्व का आधार दादागिरी नहीं बल्कि विनम्रता होती है। विनम्रता वह शक्ति है जो लोगों को जोड़ती है, जबकि दादागिरी वह प्रवृत्ति है जो लोगों को दूर करती है। विनम्रता और दादागिरी दो विपरीत मानवीय प्रवृत्तियाँ हैं। विनम्रता में सम्मान,सहिष्णुता, संवाद,संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का समावेश होता है, जबकि दादागिरी में अहंकार, भय,दबाव,असहिष्णुता और दूसरों को नियंत्रित करने की मानसिकता शामिल होती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि विनम्र व्यक्ति अपनी उपलब्धियों केबावजूद सहज बना रहता है, जबकि दादागीर व्यक्ति छोटी उपलब्धियों को भी अपने अहंकार का आधार बना लेता है।यही कारण है कि समाज में विनम्र व्यक्तियों को दीर्घकालिक सम्मान मिलता है, जबकि दादागिरी करने वाले लोग केवल अस्थायी भय पैदा कर पाते हैं।

साथियों, भारतीय संस्कृति सदैव विनम्रता को मानव का सर्वोत्तम आभूषण मानती रही है। हमारे शास्त्रों, संतों और महापुरुषों ने बार-बार यह संदेश दिया है कि ज्ञान, शक्ति और पद सभी सार्थक हैं जब उनके साथ विनम्रता जुड़ी हो। जिस प्रकार फल से लदा हुआ वृक्ष झुक जाता है, उसी प्रकार गुणों और उपलब्धियों से सम्पन्न व्यक्ति भी स्वभाव से विनम्र हो जाता है। इसके विपरीत, खोखला वृक्ष सीधा खड़ा रहता है। यह प्रकृति का सरल संदेश है कि वास्तविक महानता प्रदर्शन नहीं करती, बल्कि अपने व्यवहार से पहचानी जाती है।

साथियों आज के आधुनिक जीवन में दादागिरी अनेक रूपों में दिखाई देती है। कभी यह पद के अहंकार के रूप में सामने आती है, कभी धन के घमंड के रूप में, कभी ज्ञान के अधिमान के रूप में और कभी सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रदर्शन के रूप में। कुछ लोग अपने अधिकारों का उपयोग सेवा के लिए नहीं बल्कि दूसरों को नीचा दिखाने के लिए करते हैं। वे मानते हैं कि कठोर व्यवहार से वे अधिक प्रभावशाली दिखाई देंगे।लेकिन वास्तविकता यह है कि भय से प्राप्त सम्मान कभी स्थायी नहीं होता। जैसे ही शक्ति समाप्त होती है, वैसा सम्मान भी समाप्त हो जाता है। इसके विपरीत विनम्रता से अर्जित सम्मान जीवन भर लोगों के हृदय में बना रहता है।

साथियों, मानव मनोविज्ञान भी यही बताता है कि लोग उन व्यक्तियों के साथ अधिक सहज महसूस करते हैं जो विनम्र होते हैं। विनम्र व्यक्ति दूसरों की बात सुनता है, उनकी भावनाओं को समझता है और संवाद के लिए स्थान देता है। दूसरी ओर दादागीर व्यक्ति केवल अपनी बात मनवाना चाहता है। परिणामस्वरूप उसके आसपास भय और असंतोष का वातावरण बन जाता है। ऐसे व्यक्ति के साथ लोग मजबूरी में रहते हैं,

विनम्र नेतृत्व कर्मचारियों को संगठन का भागीदार बना देता है।

साथियों, परिवार और रिश्तों में भी यही सिद्धांत लागू होता है। दादागिरी से परिवार चलाया जा सकता है, लेकिन खुशहाल परिवार नहीं बनाया जा सकता। रिश्तों में प्रेम, सम्मान और विश्वास की आवश्यकता होती है। यदि परिवार का कोई सदस्य केवल अपनी बात मनवाने का प्रयास करता है, तो धीरे-धीरे संबंधों में दूरी बढ़ने लगती है। इसके विपरीत विनम्र व्यवहार रिश्तों में मधुरता लाता है। एक मधुर शब्द कई बार वह काम कर देता है जो कठोर आदेश नहीं कर सकता।

साथियों, समाज में भी विनम्रता का प्रभाव अत्यंत व्यापक होता है। विनम्र व्यक्ति विवादों को बढ़ाने के बजाय उन्हें सुलझाने का प्रयास करता है। वह समाज

में समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। वहीं दादागिरी समाज में विभाजन, तनाव और संघर्ष को जन्म देती है। इतिहास में अनेक साम्राज्य अहंकार के कारण नष्ट हुए हैं, जबकि विनम्र नेतृत्व ने समाजों को प्रगति और स्थिरता प्रदान की है।

साथियों, भारतीय प्रवासी समुदाय इसका उकूष्ट उदाहरण है। दुनिया के विभिन्न देशों में बसे भारतीयों को उनकी मेहनत, योग्यता और विनम्रता के कारण विशेष सम्मान प्राप्त होता है। चाहे वे वैज्ञानिक हों, डॉक्टर हों, इंजीनियर हों, उद्यमी हों या साधारण कर्मचारी, उनकी कार्यशैली और व्यवहार उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। यह सम्मान केवल तकनीकी दक्षता के कारण नहीं, बल्कि विनम्रता और सहयोग की भावना के कारण भी प्राप्त होता है।विनम्रता को कभी भी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। वास्तव में विनम्र होना अत्यंत साहस का कार्य है। अहंकार दिखाना आसान है, लेकिन उपलब्धियों के बावजूद विनम्र बने रहना कठिन है। दादागिरी क्षणिक शक्ति का

प्रदर्शन है, जबकि विनम्रता आत्मबल का प्रमाण है। जो व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण रख सकता है, वही वास्तव में शक्तिशाली होता है। क्रोध, अहंकार और कटुता पर विजय प्राप्त करना किसी भी बाहरी विजय से अधिक महत्वपूर्ण है।

साथियों, जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी विनम्रता अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। संकट के समय दादागिरी करने वाला व्यक्ति अकेला पड़ जाता है, क्योंकि उसके आसपास केवल भय के कारण जुड़े लोग होते हैं। वहीं विनम्र व्यक्ति को समाज, मित्रों और परिवार का सहयोग प्राप्त होता है। उसका व्यवहार ही उसकी सफलता का प्रमुख कारण है। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों में भी वह अधिक मजबूत होकर उभरता है।विनम्रता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष सीखने की क्षमता है। विनम्र



बदलते मौसम का बढ़ता जोखिम

भारत में मानसून केवल एक ऋतु नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, जल-संसाधनों और जनजीवन की धुरी है । सदियों से मानसून को जीवनदायी माना जाता रहा है क्योंकि इसकी वर्षा उखेतों को हरियाली देती है, नदियाँ और जलाशयों को भरती है तथा भीषण गर्मी से राहत प्रदान करती है । लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मानसून का स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है । अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है । कहीं अवानक बादल फटने की घटनाएँ होती है, कहीं तेज हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है ।

डॉ. सत्यवान सौरभ

बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज केवल वैज्ञानिक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय चिंता का प्रश्न भी बन चुके हैं।

वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि मौसम की पारंपरिक प्रकृति में परिवर्तन आ रहा है। पहले जहाँ वर्षा अपेक्षाकृत नियमित और संतुलित होती थी, वहीं अब लंबे समय तक सूखा रहने के बाद अचानक अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इसी प्रकार गरज-चमक वाले तूफानों और आकाशीय बिजली की घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने वायुमंडल की संरचना और व्यवहार को प्रभावित किया है। वातावरण में अधिक ऊर्जा और अधिक नमी उपलब्ध होने के कारण मौसमीय घटनाएँ अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं। इसका सीधा असर मानव जीवन, कृषि, बुनियादी ढाँचे और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है।

आकाशीय बिजली उन प्राकृतिक घटनाओं में से एक है जो हर वर्ष हजारों लोगों को प्रभावित करती है। भारत में बिजली गिरने से होने वाली

मौतों की संख्या कई अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक रहती है। विशेष चिंता का विषय यह है कि अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं। किसान, खेतिहर मजदूर, पशुपालक और निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक मौसम के इन खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इस अचानक बदल घिरते हैं और गरज-चमक शुरू होती है, तब कई लोग खतरों की गंभीरता को नहीं समझ पाते और खुले स्थानों पर ही बने रहते हैं। परिणामस्वरूप आकाशीय बिजली की चपेट में आकर अनेक लोगों की जान चली जाती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो आकाशीय बिजली का निर्माण वायुमंडल में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं का परिणाम है। जब धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है और उसके ऊपर की परतों में अपेक्षाकृत ठंडी हवा मौजूद रहती है, तब गर्म और नम हवा तेजी से ऊपर उठने लगती है। यह प्रक्रिया संवहन कहलाती है। ऊपर उठती हुई हवा ठंडी होकर संघनित होती है और बादलों का निर्माण करती है। यदि वातावरण में पर्याप्त नमी और ऊर्जा मौजूद हो, तो ये बादल विशाल वयूयूलोनिक्स बादलों का रूप ले लेते हैं। इन्हीं बादलों में पानी की बूंदें, बर्फ के कणों और अणुओं के बीच होने वाली टक्करों से विद्युत आवेश उत्पन्न होते हैं। जब आवेशों का असंतुलन अत्यधिक बढ़ जाता है, तब बिजली

चमकती है और धरती तथा बादलों के बीच विद्युत निर्वहन होता है।

मानसून के दौरान समुद्रों से आने वाली नम हवाएँ भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्सों में पहुँचती हैं। ये हवाएँ बड़ी मात्रा में जलवाष्प लेकर आती हैं, जो बादलों के निर्माण और वर्षा के लिए आवश्यक होती है। लेकिन यही नमी जब अत्यधिक गर्म वातावरण से मिलती है, तो शक्तिशाली तूफानों का निर्माण भी कर सकती है। नमी और तापमान का यह संयोजन मौसमीय अस्थिरता को बढ़ाता है। यही कारण है कि मानसून के महीनों में गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएँ अधिक होती हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे वायुमंडल अधिक नमी धारण करेगा और इस प्रकार की घटनाओं की संभावना भी बढ़ती जाएगी।

जलवायु परिवर्तन इस पूरे परिदृश्य का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। औद्योगीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और अनियंत्रित शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। तापमान में यह वृद्धि केवल गर्मी बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे मौसम तंत्र को प्रभावित कर रही है। गर्म वातावरण अधिक नमी धारण करता है, जिससे तीव्र वर्षा और गरज-चमक वाले तूफानों की संभावना बढ़ जाती है।

यही कारण है कि आज मौसम पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और चरम दिखाई देता है।

शहरीकरण भी मौसमीय जोखिमों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बड़े शहरों में कंक्रीट, डामर और भवनों की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है। इससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो जाता है। गर्म सतहें हवा को तेजी से ऊपर उठने के लिए प्रेरित करती हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर बादलों और तूफानों के निर्माण की संभावना बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त, शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण भारी वर्षा होने पर जलभराव और बाढ़ जैसी समस्याएँ भी गंभीर रूप धारण कर लेती हैं।

भारत की भौगोलिक विविधता भी मौसमीय घटनाओं को प्रभावित करती है। हिमालयी क्षेत्रों में पर्वतों के कारण हवा तेजी से ऊपर उठती है, जिससे बादलों का निर्माण अधिक होता है। पूर्वोत्तर भारत में अत्यधिक नमी और पर्वतीय भूभाग मिलकर तीव्र वर्षा की परिस्थितियाँ उत्पन्न करते हैं। मध्य भारत और गंगा के मैदानी क्षेत्रों में गर्मी और नमी का संयोजन गरज-चमक वाले तूफानों को जन्म देता है। वहीं तटीय क्षेत्रों में समुद्री हवाओं और भूमि की गर्मी के बीच अंतःक्रिया मौसमीय गतिविधियों को प्रभावित करती है। इस प्रकार भारत का प्रत्येक क्षेत्र अपने-अपने भौगोलिक और जलवायु संबंधी कारकों के

कारण अलग-अलग प्रकार के जोखिमों का सामना करता है।

मौसमीय जोखिमों का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर सुरक्षित आश्रयों और समय पर सूचना से वंचित रहते हैं। कई बार बिजली गिरने या तेज तूफान आने की चेतावनी जारी होने के बावजूद जानकारी अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँच पाती। इसके अतिरिक्त, आर्थिक सीमाएँ भी लोगों को जोखिम उठाने के लिए मजबूर करती हैं। किसान और मजदूर अक्सर मौसम खराब होने के बावजूद काम जारी रखते हैं क्योंकि उनकी आजीविका उसी पर निर्भर होती है। ऐसी परिस्थितियों में प्राकृतिक जोखिम सामाजिक और आर्थिक जोखिमों में बदल जाते हैं।

मौसम संबंधी आपदाओं से होने वाली क्षति को कम करने के लिए केवल तकनीकी समाधान पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए जन-जागरूकता और मौसम-साक्षरता को बढ़ाना भी आवश्यक है। लोगों को यह समझाना होगा कि गरज सुनाई देने पर खुले स्थानों से दूर जाना क्यों आवश्यक है, ऊँचे पेड़ों के नीचे खड़े होना कितना खतरनाक हो सकता है और बिजली चमकने के दौरान किन सावधानियों का पालन करना चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया को इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। यदि समाज मौसमीय जोखिमों को समझने लगे, तो अनेक जानें बचाई जा सकती हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा बनी आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक, एमसीबी जिले के विशिष्टजनों ने किए प्रथम ज्योतिर्लिंग के दर्शन



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा जिले के विशिष्टजनों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुई इस यात्रा के माध्यम से पञ्च अलंकरण एवं राज्य अलंकरण से सम्मानित विभूतियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट नागरिकों को देश के प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के दर्शन कराने का अवसर मिला यात्रा ने धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक समन्वय और राष्ट्रीय एकता का भी सशक्त संदेश दिया यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति

एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्तोड़े के विशेष प्रयासों से आयोजित की गई यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विशिष्टजनों को भारत की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और देश की गौरवशाली परंपराओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था एमसीबी जिले से यात्रा का संचालन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जोगड़े, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार के मार्गदर्शन में किया गया पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय के नेतृत्व में जिले के सभी चयनित विशिष्टजनों को मनेन्द्रगढ़ से विशेष



वातानुकूलित बस के माध्यम से रायपुर भेजा गया इसके बाद राज्य शासन द्वारा विशेष वातानुकूलित ट्रेन से सभी यात्रियों को गुजरात स्थित सोमनाथ पहुंचाया गया पूरी यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया नाश्ता, भोजन, पेयजल, आवास और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उच्च स्तर की रहीं यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, छत्तीसगढ़ी लोकगीत, पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया यात्रियों ने इसे केवल धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि सांस्कृतिक उत्सव का अनुभव बताया गुजरात के

वेरवल रेलवे स्टेशन पहुंचने पर गुजरात सरकार की ओर से सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया ढोल-नागाड़ों, लोकनृत्य और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुए स्वागत ने छत्तीसगढ़ से पहुंचे विशिष्टजनों का उत्साह दोगुना कर दिया इसके बाद सभी यात्रियों को वातानुकूलित बसों से होटल पहुंचाया गया जहां उनके ठहरने और भोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। अगले दिन यात्रियों ने भगवान सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और मंदिर परिसर में आयोजित विशेष पूजा एवं आरती में भाग लिया इसके अलावा त्रिवेणी संगम, बाणस्तंभ, समुद्र तट और

आसपास के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण भी कराया गया शाम के समय आयोजित भव्य आरती, आकर्षक लेजर शो और सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास की प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और मजबूत बनाया दर्शन उपरांत गुजरात सरकार की ओर से सभी विशिष्टजनों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया वापसी के दौरान रेलवे स्टेशन पर भी आत्मीय विदाई दी गई जिससे

यात्रियों ने गुजरात की आतिथ्य परंपरा की सराहना की इस यात्रा में जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय के साथ साहित्यकार वीरेंद्र श्रीवास्तव, सतीश उपाध्याय, पूर्व संसदीय सचिव चंपा देवी पावले, सरोज यादव, रामजीत लकड़ू, भगत बाबू, कलाकार, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्टजन शामिल रहे यात्रा के सफल संचालन में राज्य नोडल अधिकारी युगल तिवारी तथा सभागीय नोडल अधिकारी पुष्करज गोस्वामी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। यात्रा के अनुभव साझा करते हुए जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सम्मान, सांस्कृतिक समन्वय, राष्ट्रीय एकता और पर्यटन संवर्धन का प्रभावी माध्यम है ऐसी यात्राएं समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत करती हैं उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में सोमनाथ, अयोध्या, महाकालेश्वर और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए भी ऐसी यात्राओं के नियमित आयोजन की अपेक्षा जताई।

बदरवास बायपास पर चलते-चलते धधकी इको कार



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बदरवास बायपास स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर शनिवार रात एक बड़ी हादसा उस समय टल गया जब उज्जैन से पटना जा रही एक इको कार अचानक आग की चपेट में आ गई कार में सवार पांच कारोबारी टॉयलेट के लिए चाय ढाबे के पास रुके थे और सभी समय रहते वाहन से नीचे उतर चुके थे कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया हालांकि इस हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई जानकारी के अनुसार उज्जैन निवासी अली फरदीन खान, जकरिया शोएब अहमद कुरैशी, जुनैद वारसी, खालिद कुरैशी सहित कुल पांच कारोबारी इको कार से बिहार के पटना जा रहे थे।लंबी यात्रा के दौरान शनिवार रात वे बदरवास बायपास पर स्थित एक चाय ढाबे के पास कुछ देर के लिए रुके सभी लोग टॉयलेट के लिए कार से बाहर निकले थे इसी दौरान यात्रियों की नजर कार के निचले हिस्से से निकल रहे धुएं

और हल्की आग पर पड़ी शुरुआत में उन्हें लगा कि यह मामूली तकनीकी समस्या होगी लेकिन देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को भी वाहन से सामान निकालने या आग बुझाने का मौका नहीं मिला कुछ ही मिनटों में पूरी इको कार आग की लपटों से घिर गई और पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई घटना की सूचना मिलते ही बदरवास फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने काफ़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी आग बुझाने के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची और घटना का निरीक्षण किया प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि कार में आग किसी तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट या इंजन में आई खराबी के कारण लगी हो सकती है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता जवाब रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा पुलिस और संबंधित विभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

नर्मदापुरम पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधायक ठाकुरदास नागवंशी के पुत्र के विवाह समारोह में हुए शामिल



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नर्मदापुरम पहुंचे, जहां उन्होंने पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी के पुत्र के विवाह समारोह में शामिल होकर नवदंपती को आशीर्वाद दिया मुख्यमंत्री का यह दौरा लगभग 30 मिनट का रहा इस दौरान उन्होंने विधायक परिवार के साथ

समय बिताया, अतिथियों से मुलाकात की और वर-वधू के सुखद एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं शहर स्थित परमशी गार्डन में आयोजित विवाह समारोह में मुख्यमंत्री के पहुंचते ही विधायक ठाकुरदास नागवंशी और उनके परिवार ने उनका आत्मीय स्वागत किया। समारोह में मौजूद जनप्रतिनिधियों,

सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमंत्रित अतिथियों ने भी मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित जोड़े को शुभाशीष दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे समारोह स्थल पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी जबकि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पूरे कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे कार्यक्रम स्थल के प्रवेश द्वार से लेकर मंच तक सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से मजबूत किया गया था ताकि मुख्यमंत्री का दौरा सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

पहली तेज बारिश में डूबी शिवपुरी, घरों में घुसा पानी जल निकासी व्यवस्था पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में शनिवार रात हुई मानसून की पहली तेज बारिश ने नगर पालिका की तैयारियों की हकीकत सामने ला दी करीब रात 9 बजे शुरू हुई बारिश के कुछ ही समय बाद शहर की कई सड़कें जलमग्न हो गई जबकि निचले इलाकों और रियायशी बस्तियों में पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा कई परिवारों को पूरी रात घरों से पानी निकालने में बितानी पड़ी वहीं जलभराव के कारण आम जनजीवन भी प्रभावित रहा। सबसे अधिक परेशानी ग्वालियर बायपास स्थित मनीषा किराना स्टोर वाली गली में देखने को मिली यहां बारिश का पानी कई

घरों में घुस गया स्थानीय निवासी विनोद धाकड़ के घर में पानी भर जाने से घरेलू सामान खराब हो गया आसपास के अन्य मकानों में भी पानी प्रवेश कर गया जिससे लोगों को रातभर जागकर पानी निकालना पड़ा और काफ़ी नुकसान उठाना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहली ही तेज बारिश में शहर की जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह फेल साबित हुई लोगों ने आरोप लगाया कि समय रहते नालों की सफाई और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण यह स्थिति बनी उनका कहना है कि उन्होंने जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई, लेकिन देर रात तक कोई भी मौके पर नहीं पहुंचा।

शिवपुरी में सूने मकान को निशाना, 31 हजार नकद और चांदी के जेवर चोरी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर की हनुमान कॉलोनी में शनिवार देर रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों की नहीं लेकिन नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया बदमाश घर से 31 हजार रुपये नकद, चांदी के जेवर और अन्य सामान चोरी कर ले गए पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है जिसमें रात के समय 10 से 12 सँधिया कॉलोनी में आते-जाते दिखाई दे रहे हैं पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार हनुमान

कॉलोनी निवासी मस्तराम वर्मा 26 जून की सुबह अपने परिवार के साथ पैतृक गांव सेगाड़ा में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे घर पर ताला लगा हुआ था और परिवार के सभी सदस्य बाहर थे इसी बीच शनिवार और रविवार की दरमियानी रात चोरों ने सुनसान मकान का फायदा उठाते हुए मुख्य गेट कमरों और अलमारियों के ताले तोड़ दिए रात करीब 3 बजे पड़ोसी दीपक धाकड़ ने मस्तराम वर्मा को फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी सूचना मिलते ही मस्तराम रविवार सुबह करीब 4 बजे शिवपुरी पहुंचे घर पहुंचने पर

उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे से लेकर कमरों और अलमारियों तक के ताले टूटे हुए थे तथा पूरा सामान बिखरा पड़ा था जांच करने पर पता चला कि दो अलमारियों में रखे 27 हजार रुपये नकद और एक काले बैग में रखे 4 हजार रुपये भी गायब थे। इसके अलावा चोर मस्तराम के भाई आकाश धाकड़ की सिद्धिविनायक हॉस्पिटल की ड्रेस, आईडी कार्ड, एक जोड़ी चांदी की बिड़िया और एक जोड़ी चांदी की पायल भी अपने साथ ले गए। पीड़ित ने बताया कि चांदी के जेवरों की कीमत का आकलन कर पुलिस को अलग से जानकारी दी जाएगी।

छात्रा आत्महत्या मामला: अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी से परेशान 12वीं की छात्रा ने दी जान, चार आरोपी गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के पिछोरे में 12वीं कक्षा की एक छात्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है पुलिस जांच में सामने आया है कि छात्रा पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थी और उसे डर था कि उसके अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जाएंगे इसी भय और लगातार हो रही प्रताड़ना के कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया पुलिस के अनुसार छात्रा की मां

अंगुरी बाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया उन्होंने बताया कि आत्महत्या से पहले उनकी बेटी ने फोन पर बताया था कि रामवीर लोधी, सत्यम लोधी और सतीश लोधी लाइब्रेरी में आए थे आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया सिम कार्ड तोड़ दिया और उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया इस घटना के बाद छात्रा बेहद परेशान रहने लगी थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि छात्रा का पिछले करीब दो महीने से रामवीर लोधी के साथ मोबाइल पर

संपर्क था किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था इसी दौरान अंशुल उर्फ अंश लोधी के साथ भी उसकी कहासुनी हुई थी पुलिस का कहना है कि विवाद के बाद छात्रा को यह आशंका सताने लगी थी कि उसके निजी और आपत्तिजनक फोटो वायरल कर दिए जाएंगे जिससे वह गहरे गंभीर खतरे को उजागर करती है विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी परिस्थितियों में पीड़ितों को तुरंत परिवार, पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए ताकि समय रहते उचित सहायता मिल सके पुलिस ने भी लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धमकी, ब्लैकमेल या अश्लील सामग्री वायरल करने की धमकी मिलने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में उप जेल पिछोरे भेज दिया गया पुलिस मामले की विस्तृत विवेचना कर रही है और मोबाइल फोन, डिजिटल साक्ष्य तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जा रही है यह घटना एक बार फिर साइबर उपीड़न, ब्लैकमेल और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से जुड़े गंभीर खतरे को उजागर करती है विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी परिस्थितियों में पीड़ितों को तुरंत परिवार, पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए ताकि समय रहते उचित सहायता मिल सके पुलिस ने भी लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धमकी, ब्लैकमेल या अश्लील सामग्री वायरल करने की धमकी मिलने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

सूडान युद्ध से जुड़ा रायपुर का नाम: SB एनर्जी पर अमेरिकी प्रतिबंध, विस्फोटक स्प्लाई के आरोपों से कंपनी ने किया इनकार



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सूडान में जारी गृहयुद्ध से जुड़े कथित आपूर्ति नेटवर्क पर अमेरिका की कार्रवाई में अब छत्तीसगढ़ का नाम भी सामने आया है अमेरिकी वित्त विभाग (यूएस ट्रेजरी) ने रायपुर स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आलोक चौधरी सहित कुल आठ व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है अमेरिकी एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने सूडान के सैन्य नेटवर्क से जुड़ी संस्था को औद्योगिक विस्फोटक और उससे

संबंधित सामग्री की आपूर्ति की जिसका उपयोग संघर्ष के दौरान किया गया हालांकि कंपनी ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए अपना पक्ष रखा है यूएस ट्रेजरी के अनुसार रायपुर की एसबीएल एनर्जी ने सूडान की संस्था थारोट मल्टी एक्टिविटीज कंपनी को विस्फोटक और उससे संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई अमेरिकी एजेंसी का दावा है कि वर्ष 2024 से अब तक कंपनी द्वारा 200 से अधिक खेप भेजी गई, जो ऐसे नेटवर्क तक पहुंचीं जिनका संबंध सूडान में चल रहे गृहयुद्ध से बताया गया है अमेरिका का आरोप है कि इस आपूर्ति ने संघर्ष को जारी रखने में अप्रत्यक्ष रूप से सहायता पहुंचाई एसबीएल एनर्जी, जिसे पहले अमीन एक्सस्प्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, औद्योगिक विस्फोटकों के निर्माण और आपूर्ति का कार्य करती है कंपनी डायनामाइट और टीएनटी आधारित औद्योगिक विस्फोटक बनाती है जिनका उपयोग मुख्य रूप से खनन, सड़क निर्माण, सुरंग, पुल और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर

परियोजनाओं में किया जाता है अमेरिकी प्रतिबंध के बाद कंपनी के सीईओ आलोक चौधरी ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उनकी कंपनी किसी भी प्रकार के सैन्य या रक्षा उपयोग के लिए विस्फोटक नहीं बनाती उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी भारत सरकार से विधिवत लाइसेंस प्राप्त कर केवल औद्योगिक उपयोग के लिए विस्फोटक तैयार करती है और सभी निर्यात निर्धारित नियमों एवं कानूनी प्रक्रियाओं के अनुरूप किए जाते हैं कंपनी ने अमेरिकी ट्रेजरी के इस दावे को भी गलत बताया कि वर्ष 2024 में 200 से अधिक खेप भेजी गई कंपनी का कहना है कि वर्ष 2022 से अब तक कुल 10 खेप ही निर्यात की गई हैं कंपनी ने कहा कि वह सभी आवश्यक दस्तावेज, निर्यात रिकॉर्ड और अन्य प्रमाण संबंधित एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत करेगी जिससे स्थिति स्पष्ट हो सके। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के तहत एसबीएल एनर्जी और उसके सीईओ आलोक चौधरी की अमेरिका में मौजूद किसी भी प्रकार की संपत्ति को फ्रीज कर दिया गया है।

मनेन्द्रगढ़ में देर रात डीजे की तेज आवाज पर बवाल, गाली-गलौज और मारपीट के प्रयास का लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में देर रात तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया हरियाणा भवन में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान डीजे की तेज ध्वनि का विरोध करने पर एक परिवार ने आरोप लगाया है कि समारोह में शामिल कुछ लोग बाद में उनके घर पहुंचे जहां उन्होंने गाली-गलौज की और मारपीट करने का प्रयास किया घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हरियाणा भवन में शुक्रवार देर रात विवाह समारोह आयोजित किया गया था पास में रहने वाले बोथरा परिवार का कहना है कि रात करीब एक बजे तक डीजे अत्यधिक तेज आवाज में बज

रहा था जिससे घर के बच्चों, बुजुर्गों और आसपास के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा पहले परिवार के सदस्यों ने डीजे संचालकों और कार्यक्रम आयोजकों से आवाज कम करने का अनुरोध किया लेकिन उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद परिवार ने सिटी कोतवाली पुलिस को फोन कर शिकायत दर्ज कराई शिकायत मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और डीजे की आवाज कम कराई हालांकि परिवार का आरोप है कि पुलिस के जाने के कुछ समय बाद फिर से तेज आवाज में डीजे बजाया जाने लगा जिससे स्थिति दोबारा तनावपूर्ण हो गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि डीजे का विरोध करने से नाराज होकर शादी समारोह में शामिल कुछ लोग उनके घर पहुंच गए।



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा 6 जुलाई को आयोजित की जाएगी मानसून के दौरान शहर में जलभराव, नालों की सफाई, कचरा प्रबंधन, सड़क मरम्मत और नागरिक सुविधाओं से जुड़े

विभिन्न मुद्दों पर इस बैठक में विस्तृत चर्चा होगी हालांकि बैठक की घोषणा के साथ ही इसे लेकर राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने विशेष सामान्य सभा बुलाने के औचित्य पर सवाल उठाते हुए

इसे नगर निगम की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जोड़कर देखा है नगर निगम के अनुसार मानसून के दौरान राजधानी के कई इलाकों में जलभराव और सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं ऐसे में इन समस्याओं के समाधान के लिए विशेष सामान्य सभा बुलाने का निर्णय लिया गया है बैठक में पार्षद अपने-अपने वादों की समस्याओं को भी सदन के सामने रखेंगे इसके अलावा नालों की सफाई की प्रगति, बारिश के दौरान प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, सड़क मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी इधर, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने इस बैठक को

लेकर सवाल खड़े किए हैं उनका कहना है कि नगर निगम में विशेष सामान्य सभा आमतौर पर किसी महत्वपूर्ण नीति निर्धारण, आपातकालीन स्थिति या अत्यंत आवश्यक विषयों पर निर्णय लेने के लिए बुलाई जाती है जबकि सफाई व्यवस्था, नालों की सफाई और जलभराव जैसे विषय नगर निगम के नियमित प्रशासनिक कार्यों का हिस्सा हैं। प्रमोद दुबे ने कहा कि यदि ऐसे नियमित विषयों पर भी विशेष सामान्य सभा बुलाने की आवश्यकता पड़ रही है तो यह इस बात का संकेत है कि नगर निगम की तैयारियां पर्याप्त नहीं थीं उन्होंने कहा कि मानसून से पहले ही नालों की सफाई, जल

निकासी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जानी चाहिए थीं ताकि नागरिकों को बारिश के दौरान परेशानी का सामना न करना पड़े नगर निगम सूत्रों का कहना है कि मानसून के कारण शहर के कई क्षेत्रों से जलभराव, कचरा उठाव में देरी और सड़क क्षतिग्रस्त होने जैसी शिकायतें प्राप्त हुई हैं इन्हीं समस्याओं के समाधान और संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से विशेष बैठक आयोजित की जा रही है बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे और पार्षदों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब देंगे गौरतलब है कि इससे पहले 27 अप्रैल को नगर निगम

की विशेष सामान्य सभा आयोजित की गई थी उस बैठक में महिला सशक्तिकरण से जुड़े जनजागरूकता अभियान और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई थी बैठक की अध्यक्षता सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने की थी। वहीं नगर निगम की पिछली सामान्य सभा 9 अप्रैल को आयोजित हुई थी जिसमें 14 एजेंडों पर चर्चा की गई थी उस बैठक के दौरान सिटी कोतवाली चौक का नाम बदलकर ‘जैन स्तंभ’ करने के प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई थी विपक्ष के विरोध और भाजपा पार्षद दल की समर्पति के बाद प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया था।



खरीफ बोनी के बीच कृषि विभाग की बड़ी पहल किसानों को उन्नत बीज वितरण के साथ दी गई तकनीकी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। खरीफ सीजन 2026 में किसानों को बेहतर उत्पादन और आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा उन्नत बीज वितरण एवं तकनीकी मार्गदर्शन का अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड विदिशा द्वारा किसानों की मांग के अनुरूप विभिन्न योजनाओं के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे किसान समय पर बोनी कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। खरीफ बोनी के दौरान कृषि विस्तार अधिकारी श्री हेमंत गुप्ता द्वारा क्षेत्र के कृषकों से सीधे संपर्क कर उन्हें फसल उत्पादन से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किसानों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) योजना के अंतर्गत सोयाबीन एवं उड़द मिनीकट के उन्नत बीजों का पात्रातानुसार वितरण किया गया। बीज वितरण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत विदिशा की ग्राम पंचायत अहमदपुर कस्बा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरपंच श्री शिवचरण शर्मा एवं पंचायत सचिव श्री रामदयाल की उपस्थिति में किसानों को उन्नत बीज वितरित किए गए। जनप्रतिनिधियों ने किसानों को शासन की कृषि योजनाओं का लाभ लेने तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मंदसौर में ढाबे से अवैध शराब और बीयर मिली 192 पाव देशी शराब जब्त, 12 मामले दर्ज



मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।मंदसौर जिले के दलोदा क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने शनिवार देर रात विशेष अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न ढाबों और दुकानों पर दबिश देकर अवैध शराब जब्त की गई। कार्रवाई में 12 प्रकरण दर्ज किए गए। टीम ने 192 पाव देशी शराब और 12 केन बीयर जब्त की है। आबकारी निरीक्षक कर्मेंद्र सांवले के नेतृत्व में टीम ने दलोदा स्थित मदिरा दुकान के आसपास और अन्य स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान जहां भी अवैध रूप से शराब का भंडारण और बिक्री मिली, वहां संबंधित लोगों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) और 36 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इन लोगों के कब्जे से मिली अवैध शराब: कार्रवाई के दौरान दलोदा मगरा स्थित सिसोदिया ढाबा से दशरथ पिता कंवरलाल, रंघल राजपूताना से दिनेश पिता झुझर सिंह, भवानी ढाबा से दिनेश पिता किशनलाल, जय मां भवानी ढाबा से श्रवण पिता नागूलाल, मनोहर सिंह के ढाबे से कुलदीप पिता भंवर सिंह, राजपूताना ढाबा से कारूलाल पिता अम्बोलाल, टीना ढाबा से पूनमचंद पिता राजू, चामुंडा ढाबा से यशवंत पिता बाबूलाल कलाल के अलावा बंटी पिता रमेशचंद्र, सुरेश पिता काशीराम, बलवंत पिता देवसिंह और गोपाल पिता रामलाल के कब्जे से अवैध शराब जब्त की गई।

आबकारी विभाग ने दी चेतावनी: आबकारी निरीक्षक कर्मेंद्र सांवले ने कहा कि जहां से भी अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिलेगी, वहां इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। फिलहाल सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

सागर के गांव में घुसा भालू, 4 महिलाओं पर हमला ग्रामीणों ने 30 मिनट की मशक्कत से खदेड़ा, वन विभाग की टीम रेस्क्यू करेगी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के बंडा विकासखंड स्थित भड़राना गांव में रविवार को एक जंगली भालू घुस गया। भालू ने घरों के बाहर काम कर रही चार महिलाओं पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के मुताबिक, भालू करीब आधे घंटे तक गांव के बीचोबीच और घरों के आसपास घूमता रहा। इसके बाद गांव वालों ने इकट्ठा होकर शोर मचाया और भालू को खेतों की तरफ खदेड़ दिया। स्थिति को देखते हुए तुरंत वन विभाग को घटना की सूचना दी गई भालू को जंगल ले जाने की कोशिश जारी सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भड़राना गांव पहुंच गई। टीम लगातार भालू की लोकेशन ट्रैक कर रही है। उसे सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। अस्पताल से घायलों को मिली छुट्टी भालू के हमले में गांव की प्रीति, सुक्रति, स्नेहलता और सुहागरानी घायल हुई हैं। सभी को मामूली चोटें आई हैं। वन विभाग ने चारों महिलाओं को इलाज के लिए सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (BMC) भेजा था। प्राथमिक उपचार और जरूरी इंजेक्शन लगाने के बाद सभी को घर भेज दिया गया है।

इटारसी में पल्स पोलियो अभियान शुरू:16,800 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए रविवार से तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने 16,800 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा है। अभियान का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय चिकित्सालय में किया गया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आर दयाल, विधायक प्रतिनिधि भारत वर्मा और नपा के स्वास्थ्य सभापति रakesh जाधव ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर इसकी शुरुआत की।

100 स्वास्थ्यकर्मी मैदान में: अस्पताल की अधीक्षक डॉ. कमलेश कुमरे ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए लगभग 100 स्वास्थ्यकर्मी मैदान में कार्यरत हैं। इनमें एनएस, आशा कार्यकर्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी, सुपरवाइजर और अन्य स्वास्थ्य अमला शामिल हैं। पहले दिन शहर के 34 वार्डों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और विभिन्न बूथों पर दवा पिलाई गई। अगले दो दिनों तक स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी, ताकि कोई भी बच्चा इस सुख्खा कवच से वंचित न रहे। शहर के रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के अंदर पहुंचकर और बस स्टैंड पर विशेष ट्राइज बूथ भी बनाए गए हैं।

खंडवा में अल-नीनो का इफैक्ट, कम बारिश होगी कलेक्टर ने किसानों से फसल बीमा कराने कहा सूखे से लड़ने वाले बीज डालने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में इस साल अल-नीनो के संभावित प्रभाव के चलते मानसून के कमजोर रहने और सामान्य से कम बारिश की आशंका जताई जा रही है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने किसानों को समय रहते सतर्क रहने और कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार ही फसलों का चयन करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि, यदि वर्षा सामान्य से 40 प्रतिशत तक कम रहती है तो उसी के अनुरूप खेती की रणनीति अपनाना किसानों के हित में होगा। कलेक्टर ऋषभ गुप्ता की अध्यक्षता में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों, कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा, उप संचालक कृषि नितेश कुमार यादव सहित कृषि विशेषज्ञ मौजूद रहे।

कलेक्टर बोले- फसल बीमा जरूर कराएं: कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने किसान प्रतिनिधियों से कहा कि, वे गांव-गांव जाकर किसानों को कम बारिश की संभावना के बारे में जागरूक करें और मौसम की स्थिति को देखते हुए फसलों का



चयन करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा, सूखा या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में यह योजना किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी।

प्रशासन ने किसानों को चेताया- सूखे से लड़ सकें, ऐसे किस्म के बीज

डालें: उप संचालक कृषि नितेश कुमार यादव ने किसानों को उपलब्ध नमी और वर्षा जल का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की बुवाई में रिज एंड फरो और रेज बेड तकनीक अपनाई जाए, ताकि कम बारिश की स्थिति में भी फसल को पर्याप्त नमी मिल सके। उन्होंने किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली और सूखे को सहन

गाली देने से रोकने पर पड़ोसियों ने की मारपीट

मंदसौर में बेटे के सीने में लगा चाकू, पिता के सिर पर ईंट से किया वार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के वायडी नगर थाना क्षेत्र के लालघाटी रोड स्थित प्रभा नगर में शनिवार रात करीब 10:30 बजे मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शराब के नशे में गाली-गलौज करने से रोकने पर पड़ोसी ने अपने परिवार के साथ मिलकर पिता-पुत्र पर हमला कर दिया। हमले में बेटे के सीने में चाकू लगा, जबकि पिता के सिर पर ईंटनुमा पत्थर से वार किया गया।



घटना में घायल मनोज और उसके पिता सत्यनारायण को स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। दोनों का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

महिलाओं के सामने कर रहा था गाली-गलौज :जानकारी

बंद करने के लिए कहा, लेकिन वह और अधिक उग्र हो गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि जाबिर्, उसका बेटा और उसकी पत्नी सामने वाले परिवार पर हमला करने लगे। इस दौरान मनोज के सीने में चाकू मारा गया। वहीं उसके पिता सत्यनारायण के

सिर पर ईंटनुमा पत्थर से वार किया गया।

छह-सात साल से रह रहा है पीड़ित परिवार: पीड़ित परिवार मूल रूप से मनासा का रहने वाला है। परिवार पिछले छह से सात वर्षों से मंदसौर के प्रभा नगर में रह रहा है। परिजनों का आरोप है कि जाबिर् लंबे समय से शराब के नशे में गाली-गलौज करता है और आए दिन विवाद करता रहता है। घटना की सूचना मिलते ही वायडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। उप निरीक्षक विनय बुंदेला और सहायक उप निरीक्षक पी.सी. चौहान ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायलों के बयान दर्ज किए। पुलिस ने आरोपी पक्ष के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। सहायक उप निरीक्षक पी.सी. चौहान ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

मानसून की पहली बारिश में आधे घंटे थम गया रतलाम

अंडरब्रिज और निचले इलाके डूबे, नगर निगम की तेयारियां बेनकाब



मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में शनिवार को करीब आधे घंटे की बारिश के साथ ही मानसून की एंट्री हो गई है। बादलों की तेज गड़गड़ाहट के साथ बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। इधर, होमगार्ड कॉलोनी के अंडरब्रिज में पानी भरा, जिस

वजह से लोगों को निकलने में परेशानी हुई।

दरअसल प्रदेश में मानसून की एंट्री 24 जून से हो गई है लेकिन रतलाम में पिछले तीन-चार दिन से बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। हल्की बूंदाबांदी भी हुई थी।

शनिवार सुबह से तेज उमस

रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर महत्वपूर्ण निर्णय

जिला चिकित्सालय में शिशु रोग ओपीडी स्थानांतरण, प्री-लेबर रूम विस्तार एवं लिफ्ट स्थापना को मिली स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला चिकित्सालय की रोगी कल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. अनूप वर्मा, समिति के सदस्यगण एवं जिला चिकित्सालय के चिकित्सक उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा के साथ किया गया। इसके पश्चात अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, मरीजों की सुविधा एवं आधारभूत संरचना को मजबूत बनाने से संबंधित विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।



वित्तीय प्रबंधन एवं संसाधनों के बेहतर उपयोग के संबंध में सुझाव दिए गए। साथ ही अस्पताल परिसर में आवश्यक निर्माण कार्यों, साफ-सफाई व्यवस्था तथा वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए दूषित एवं वर्षा जल की समुचित निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्थापन सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया गया, ताकि बरसात के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। बैठक में शिशु रोग (पीडियाट्रिक)

ओपीडी को पूर्ण रूप से जिला चिकित्सालय के प्रथम तल पर स्थानांतरित किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। इस निर्णय से बच्चों के उपचार एवं परामर्श सेवाओं को अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा सकेगा तथा मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रसूति सेवाओं की और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्री-लेबर रूम के विस्तार

(एक्सपेंशन) को भी स्वीकृति दी गई। इस निर्णय से प्रसूता महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी तथा मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। बैठक में जिला चिकित्सालय के विद्युत पैनलों की सर्विसिंग का कार्य पूर्ण होने के बाद किए गए कार्यों की स्वीकृति एवं संबंधित भुगतान की अनुमति भी प्रदान की गई। इसके साथ ही अस्पताल में विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई।

मातृत्व विंग में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पीएनसी (पोस्ट नेटल केयर) प्रथम तल से बर्थ वेंटिंग रूम द्वितीय तल तक लिफ्ट स्थापना के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। यह सुविधा विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के साथ आने वाले परिजनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। बैठक में अस्पताल परिसर में कचरा उद्यव एवं उसके वैज्ञानिक निपटान की

व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाहन स्टैंड से संबंधित प्राप्त शिकायतों एवं व्यवस्थागत समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर में सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों के वाहनों के नंबर पंजीकृत करने तथा उन्हें अधिकृत वाहन पास जारी करने का निर्णय भी लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि जिला चिकित्सालय का मुख्य उद्देश्य मरीजों को शासन की मंशानुरूप त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि अस्पताल के सुव्यवस्थित संचालन और मरीजों की सुविधाओं के लिए आवश्यक सभी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

सागर के 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 2 मौत पुलिया के नीचे दबा मिला एक का शव, दूसरे को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के देवरी थाना इलाके में रविवार सुबह दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की जान चली गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर हादसों के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पहली घटना झिरी-ईमझिरा मार्ग की है। यहां गांव के पास बनी पुलिया के नीचे ग्रामीणों ने एक युवक को पड़ा देखा, जो अपनी ही बाइक के नीचे दबा हुआ था। घटना की सूचना पर मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त झिरी निवासी 35 वर्षीय सीताराम कुर्मी के रूप में की। हाईवे पर अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर दूसरी घटना नेशनल हाईवे-44 पर चोमाढाना के पास हुई। यहां एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को भीषण टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। चोमाढाना निवासी 32 वर्षीय राजेश गौड़ उछलकर सड़क पर जा गिरा। सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।



डी-वन कॉलोनी के तीन सूने मकानों में चोरों का धावा

बुरहानपुर में प्रोफेसर दंपती के घर से नकदी और 60 हजार के जेवर ले गए बदमाश

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर की डी-वन कॉलोनी में शनिवार रात अज्ञात बदमाशों ने तीन सूने मकानों को निशाना बनाया। इनमें एक प्रोफेसर दंपती का मकान भी शामिल है, जहां से बदमाश करीब 20 हजार रुपए नकद और 50 से 60 हजार रुपये मूल्य के जेवर चुरा ले गए। अन्य दो मकानों के ताले भी टूटे पाए गए, लेकिन उनके मालिकों के बाहर होने के कारण नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है। प्रोफेसर डॉ. बसंत कुमार सोनी के मकान में चोरों ने सभी लॉकर तोड़ दिए और घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया। उन्होंने लिफाफे तक खोलकर देखे और फाइकर फेंक दिए। घर के अंदर दो पत्थर भी पड़े मिले। चोर



ऑर्टिफिशियल ज्वेलरी छोड़कर चले गए, जबकि सोने-चांदी के छोटे-मोटे जेवर और नकदी चुरा ले गए। डॉ. बसंत कुमार सोनी, जो खंडवा में भी घर रखते हैं, शनिवार को अपने माता-पिता को इंदौर रवाना करने के बाद खंडवा में ही रुक गए थे। रविवार सुबह उन्हें अपने घर में चोरी होने की सूचना

मिली। उनकी पत्नी डॉ. सीमा सोनी भी धुलकोट कॉलेज में प्रोफेसर हैं। **दो अन्य मकानों में भी वारदात:** पड़ोस के दो अन्य मकानों में भी चोरी की वारदात हुई। एक मकान मालिक पुणे में हैं, जबकि दूसरे भी शहर से बाहर हैं। पुलिस ने उन्हें घटना की सूचना दे दी है।



विंबलडन का दिल सेंटर कोर्ट

विंबलडन का दिल सेंटर कोर्ट, जानिए कैसे हुई शुरुआत और क्या है खासियत

नई दिल्ली ,एजेसी। टेनिस के खेल में विंबलडन सबसे पुराना और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। पहली बार विंबलडन का आयोजन साल 1877 में हुआ था। घास पर खेले जाने वाले इस लोकप्रिय टूर्नामेंट में सेंटर कोर्ट को खास अहमियत दी जाती है। सेंटर कोर्ट को विंबलडन का दिल भी कहा जाता है, जहां टूर्नामेंट के कई ऐतिहासिक मुकाबले खेले जा चुके हैं। विंबलडन की जब शुरुआत हुई, तो इसके पहली बार आयोजन के लिए कोर्ट पर ग्रांड पैटर्न बिछाया गया था। हालांकि, 1881 में इन दो कोर्ट्स को मिलाकर एक मुख्य कोर्ट तैयार किया गया, जो बिल्कुल सेंट्रल में था और तब से इसका नाम सेंटर कोर्ट पड़ा। सेंटर कोर्ट की शुरुआत 1922 में हुई थी, जब विंबलडन चैंपियनशिप अपने नए परिसर ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोके क्लब में शिफ्ट हुआ। सेंटर कोर्ट का इस्तेमाल पूरे साल में सिर्फ दो हफ्ते के लिए विंबलडन के दौरान होता है। इन दो हफ्तों के लिए पूरे साल इस कोर्ट का खास ध्यान रखा जाता है। इस बात पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है कि सेंटर कोर्ट की घास की गुणवत्ता सर्वश्रेष्ठ बनी रहे। सेंटर कोर्ट के लिए सिर्फ बारहमासी राई घास का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी लंबाई को ज्यादातर 8 मिलीमीटर ही रखा जाता है। विंबलडन के सेंट्रल कोर्ट में एक रॉयल बॉक्स की व्यवस्था भी है। इस विशेष रॉयल बॉक्स की एक खास परंपरा है। इस बॉक्स में ब्रिटिश शाही परिवार और अन्य खास अतिथियों को मैच के दौरान बैठाया जाता है। विंबलडन के मुकाबले को बारिश से बचाने के लिए साल 2009 में

अत्याधुनिक रिट्रैक्टबल (पुल-इन) छत लगाई गई। इसकी मदद से बारिश होने की स्थिति में 10 मिनट के भीतर खुली छत को बंद करके मैच का आयोजन किया जा सकता है। सेंटर कोर्ट में विंबलडन के ज्यादातर बड़े और ऐतिहासिक मुकाबले ही खेले जाते हैं, जिसमें पुरुष और महिला एकल का खिताबी मुकाबला शामिल रहता है। सेंटर कोर्ट पर खेलने के लिए खिलाड़ियों को सफेद कपड़ों में ही उतरना अनिवार्य है। इसके साथ ही कोर्ट के चारों तरफ किसी भी तरह के व्यावसायिक विज्ञापन बोर्ड को लगाने की अनुमति नहीं है। ऐसा कोर्ट के पारंपरिक स्वरूप को बरकरार रखने के लिए किया जाता है। सेंटर कोर्ट पर विंबलडन के कई यादगार मैच खेले जा चुके हैं। टेनिस के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर ने अपने 8 खिताब इसी कोर्ट पर जीते हैं। इसके साथ ही साल 2008 में फेडरर और राफेल नडाल के बीच ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला भी इसी कोर्ट पर खेला गया था। सेंटर कोर्ट 2019 में हुए नोवाक जोकोविच और फेडरर के बीच विंबलडन इतिहास के सबसे लंबे एकल फाइनल मुकाबले का भी गवाह बना था। सेंटर कोर्ट केवल एक टेनिस कोर्ट नहीं, बल्कि खेल इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां जीत हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में माना जाता है। यही कारण है कि जब भी विंबलडन की बात होती है, सेंटर कोर्ट का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह कोर्ट परंपरा, सम्मान और महान मुकाबलों का ऐसा मंच है, जिसकी चमक आज भी बरकरार है।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय और विश्व क्रिकेट की ताकत बनेंगे: कुमार संगकारा



लंदन ,एजेसी। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान, दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी में भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट की ताकत बनने के सभी गुण हैं। संगकारा ने कहा कि वैभव शोहरत और अटेंशन को संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार

से जुड़ा और केंद्रित रहे। एक बात में पक्के तौर पर कह सकता हूं कि वैभव को बल्लेबाजी पसंद है। उसे खेल पसंद है। शोहरत और चमक-दमक का उस पर कोई खास असर नहीं पड़ता। वह बहुत जमीन से जुड़ा हुआ है और कई चीजों को लेकर उत्सुक रहता है। आरआर के कोच ने कहा, "वह हर समय सिर्फ क्रिकेट में ही नहीं जीता और सांस लेता है। उसके पास दूसरी चीजों के लिए भी जगह है। मुझे कोई शक नहीं है कि वह भारतीय क्रिकेट, विश्व क्रिकेट और फेंचाइज क्रिकेट के लिए एक ताकत बनेगा। वह मानसिक तौर पर मजबूत है। उन्होंने कहा, 2023 में, हमारे एनालिस्ट (विश्लेषक) अक्षय ने हमें वैभव सूर्यवंशी नाम के एक 12 साल के बच्चे के बारे में एक संदेश भेजा था। उन्होंने कहा था कि लड़का बहुत प्रतिभाशाली है और हमें उसे देखना होगा। उसके कोच मनीष ओझा ने वैभव के पिता से कहा था कि वह बचाए। हम उस पर नजर रखते हैं ताकि यह पक्का हो सके कि वह जमीन

कोव मनीष ओझा ने कहा

हम पहले तो हैरान थे, सोचा कि यह मजाक है, लेकिन अक्षय को पूरा यकीन था, इसलिए हम उसे ले आए। उस समय राहुल द्रविड़ आरआर में मुख्य कोच थे। उन्होंने उसे पांच-छह मिनट तक देखा और कहा, हमें इस लड़के को खरीदना होगा। संगकारा ने कहा, मैंने वैभव को पहली बार गुवाहाटी में एक कैप के दौरान देखा था। एक छोटे से साइड नेट में, जोफा आर्चर और संदीप शर्मा नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे। वहां कोई बल्लेबाजी नहीं करना चाहता था। वैभव अंदर आया और बोला, मैं बल्लेबाजी करूंगा। उसके बल्ले से निकलती आवाज बंदूक की गोली जैसी थी। उसने आर्चर और संदीप का आसानी से सामना किया।



महिला टी20 विश्व कप

टूर्नामेंट से बाहर हुई न्यूजीलैंड की टीम, श्रीलंका का भी सपना टूटा, वेस्टइंडीज सेमीफाइनल में

नई दिल्ली,एजेसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 में रूफ बी से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों तय हो चुकी हैं। इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को 9 विकेट से हराया। इंग्लैंड की जीत के साथ ही न्यूजीलैंड का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। वहीं, वेस्टइंडीज ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। रूफ बी से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इंग्लिश टीम ने रूफ स्टेज के अपने सभी 5 मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। वहीं, वेस्टइंडीज ने 5 मुकाबलों में से 3 मैच जीते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। हालांकि, वेस्टइंडीज की तरह ही श्रीलंका के भी 6 व्वाइट थे, लेकिन कैरेबियाई टीम बेहतर नेट रन रेट की वजह से सेमीफाइनल में पहुंच गई। वहीं, न्यूजीलैंड की हार के साथ ही श्रीलंका का भी टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

रविन रवींद्र ने हासिल की बड़ी उपलब्धि इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे किए

नॉटिंघम (इंग्लैंड) , एजेसी। : न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रविन रवींद्र ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए हैं। रवींद्र ने नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी टीम के तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर उनकी टीम का स्कोर 3 विकेट पर 120 रन था और वे 204 रनों की बढ़त पर थे। रवींद्र 90 गेंदों में 60 रन बनाकर नाबाद रहे जिसमें 8 चौके शामिल थे। न्यूजीलैंड के लिए सभी फॉर्मेट में 115 मैचों में रविन ने 36.82 की औसत से 4,014 रन बनाए हैं। उन्होंने 125 पारियों में 10 शतक और 17 अर्धशतक लगाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर 240 रन रहा है। उन्होंने 24 टेस्ट मैचों में 44 पारियों में 48.18 की औसत से 1831 रन बनाए हैं जिसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं; उनका बेस्ट स्कोर 240 रन है। उन्होंने 39 वनडे मैचों में 41.88 की औसत से 1424 रन बनाए हैं जिसमें 5 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 123 रन है। रविन ने 52 डू20डू मैचों की 46 पारियों में 20.51 की औसत और 135.29 के स्ट्राइक रेट से 759 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्धशतक और 69

का बेस्ट स्कोर शामिल है। मैच की बात करें तो हैं ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टॉम लेथम (214 गेंदों में 151 रन, 15 चौके) और डेवोन कॉनवे (224 गेंदों में 157 रन, 22 चौके और तीन छक्के) के बीच 317 रनों की साझेदारी ने कीवी टीम को 438 रनों तक पहुंचाया। कप्तान बेन स्टोक्स (4/70) ने इंग्लैंड के लिए शानदार गेंदबाजी की और



वे दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस के बाद टेस्ट क्रिकेट में 7000 से ज्यादा रन और 250 विकेट लेने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। अपनी पहली पारी में इंग्लैंड ने 354 रन बनाए जिसमें बेन डकेट का शतक (99 गेंदों में 113 रन, 19 चौके) और जैकब बेथेल (133 गेंदों में 74 रन, नौ चौके) व हीरी ब्रूक (80 गेंदों में 58 रन, पांच चौके) के अर्धशतक मुख्य आकर्षण रहे।

फीफा वर्ल्ड कप: न्यूजीलैंड को 5-1 से रौंदकर बेल्जियम ने हासिल किया नॉकआउट स्टेज का टिकट
वैंक्वर ,एजेसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के रूफ जी मुकाबले में बेल्जियम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 5-1 से हराया। बीसी प्लेस स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही बेल्जियम ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है। बेल्जियम के हाथों मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड का अगले राउंड में पहुंचने का सपना टूट गया है। बेल्जियम की इस जीत के नायक लिएंड्रो ट्रॉसार्ड रहे, जिन्होंने मैच में दो गोल दागे। रूफ जी में बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच व्वाइट्स के साथ बराबर पर रहे, लेकिन गोल के अंतर के आधार पर बेल्जियम ने रूफ में पहले स्थान हासिल किया। बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच पॉइंट्स पर बराबर रहे, लेकिन गोल अंतर के आधार पर बेल्जियम रूफ में टॉप पर रहा। ईरान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के साथ ही मिस्र ने भी अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। ईरान 3 व्वाइट के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि न्यूजीलैंड 3 मुकाबलों में एक व्वाइट ही अर्जित कर सका। मैच की शुरुआत से ही बेल्जियम ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और लगातार न्यूजीलैंड के गोल पर हमले किए। 11वें मिनट में लिएंड्रो ट्रॉसार्ड गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। कुछ देर बाद बेल्जियम को पेनल्टी भी मिली, लेकिन वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) जांच के बाद फैसला बदल दिया गया, क्योंकि रेफरी ने माना कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी का हाथ स्वाभाविक स्थिति में था। बेल्जियम ने 28वें मिनट में 1-0 की बढ़त हासिल की। केविन डी ब्रूने के शानदार क्रॉस पर ट्रॉसार्ड ने बेहतरीन फिनिश करते हुए पहला गोल दागा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही ट्रॉसार्ड ने अपना दूसरा गोल किया।



बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप

भारत ने कजाकिस्तान को रौंदकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली,एजेसी। जापान के यात्सुशिरो में खेले गए बैडमिंटन एशिया जूनियर मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के रूफ-सी मुकाबले में भारत ने कजाकिस्तान को पूरी तरह दबाव में रखा। भारतीय टीम ने दोनों सेटों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 (55-31, 55-21) से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। गर्लस डबल्स ने दिलाई शानदार शुरुआत भारत की ओर से दुर्गा ईशा कंद्रापु और कीर्ति मंचला की जोड़ी ने मुकाबले की बेहतरीन शुरुआत की। दोनों ने अलिसा कुलेशोवा और डायना नामेनोवा की जोड़ी को 11-5 से हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद पुनीत सुरेश और दीप्ति राज अदिति की जोड़ी को मुस्तफा मलिकझान और अलिसा कुलेशोवा के खिलाफ कड़ी चुनौती मिली, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 11-10 से रोमांचक जीत दर्ज कर कुल स्कोर 22-15 कर दिया।



भारत ने पाकिस्तान पर बरसाए 7 गोल

FIH प्रो लीग में दर्ज की एकतरफा जीत

नई दिल्ली,एजेसी। FIH प्रो लीग 2025-26 में भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदते हुए लगातार दूसरी बार हराया। शुरुआती झटके के बावजूद टीम इंडिया ने शानदार वापसी की और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। यह प्रो लीग में भारत की लगातार चौथी जीत रही, जबकि पाकिस्तान की टीम अब तक अपने सभी 15 मुकाबले हार चुकी है।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने पलट दिया मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम कोई भी मौका भुना नहीं सकी। दूसरी और पाकिस्तान ने अपना पहला ही पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल

दिया। 13वें मिनट में अबू महमूद ने गोल कर पाकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मचाया गोलों का तूफान

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। 32वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में जुगराज सिंह और 41वें मिनट में अभिषेक ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया।पाकिस्तान संभल भी नहीं पाया था कि 44वें मिनट में राज कुमार पाल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।

ऑपरेशन प्रहार 2.0 की खुली पोल!

रीवा पुलिस तलाशती रह गई, उड़ीसा पुलिस ने रीवा से दबोचा 50 हजार का इनामी कथित गांजा तस्कर, अब उठ रहे संरक्षण और कार्रवाई पर सवाल



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य संभाग में अपराध और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार 2.0 के बीच एक ऐसी कार्रवाई सामने आई है जिसने रीवा रेंज पुलिस की

कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस कथित गांजा तस्कर आदित्य मिश्रा की तलाश लंबे समय से पुलिस द्वारा किए जाने की बात कही जा रही थी उसे उड़ीसा पुलिस ने रीवा शहर के गड्ढी

मार्ग स्थित सिंग रोड के पास एक मकान पर तड़के करीब 5 बजे दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान एक स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किया गया। बाद में आरोपी को बिछिया थाना लाकर

गिरफ्तारी की औपचारिक सूचना दी गई और न्यायालय से ट्रॉजेंट रिमांड प्राप्त करने के बाद उड़ीसा पुलिस उसे अपने साथ ले गई पुलिस सूत्रों के अनुसार आदित्य मिश्रा के विरुद्ध रीवा और मऊगंज जिले के विभिन्न थानों में मादक पदार्थों से जुड़े कई प्रकरण दर्ज बताए जाते हैं अलग-अलग मामलों में उस पर कुल 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस आरोपी के विरुद्ध इतने गंभीर मामले दर्ज थे वह लंबे समय तक रीवा में कथित रूप से सक्रिय कैसे रहा और स्थानीय पुलिस उसे पकड़ने में सफल क्यों नहीं हो सकी उड़ीसा पुलिस की इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में भी चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। सूत्रों का दावा है कि आदित्य मिश्रा लंबे समय से रीवा संभाग में रहकर कथित रूप से

अपना नेटवर्क संचालित कर रहा था हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है अब विपक्ष ही नहीं बल्कि आम नागरिक भी यह सवाल उठा रहे हैं कि जब ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत लगातार अपराधियों की धरपकड़ के दावे किए जा रहे थे तब इतना बड़ा वांछित आरोपी स्थानीय पुलिस की नजरों से कैसे बचा रहा इसी बीच पुलिस सूत्रों में यह चर्चा भी तेज है कि अतीत में कुछ मामलों में प्रभावशाली स्तर से कथित सिफारिश और दबाव की बातें सामने आती रही हैं सूत्रों के अनुसार गोविंदगढ़ क्षेत्र के फरार आरोपी रोहित शर्मा के मामले में भी एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कथित सिफारिश किए जाने की चर्चा रही थी बाद में रोहित शर्मा की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई इसी प्रकार मंगवां थाना क्षेत्र में आदित्य मिश्रा से जुड़े एक प्रकरण

में भी कार्रवाई को लेकर कथित दबाव की चर्चाएं होती रही हालांकि इन आरोपों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों की ओर से भी इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय ने पुष्टि की कि उड़ीसा पुलिस ने स्थानीय पुलिस को सूचना देकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और ट्रॉजेंट रिमांड के बाद आरोपी को अपने साथ ले गई इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि दूसरे राज्य की पुलिस रीवा आकर एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर सकती है तो स्थानीय पुलिस की लगातार चल रही कार्रवाई और विशेष अभियान आखिर कितने प्रभावी साबित हो रहे हैं मामले ने ऑपरेशन प्रहार 2.0 की सफलता पर भी बहस छेड़ दी है।

मारपीट का फरार आरोपी देसी कट्टे सहित गिरफ्तार, सिरमौर पुलिस की कार्रवाई



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सिरमौर थाना पुलिस ने मारपीट के एक फरार आरोपी को अवैध देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा एवं एसडीओपी प्रतिभा शर्मा के निदेशन तथा थाना प्रभारी दीपक तिवारी के नेतृत्व में की गई पुलिस के अनुसार 27 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि शराब पीने के लिए पैसे मांगने और इनकार करने पर मारपीट करने का फरार आरोपी गौरव सिंह परिहार (22) निवासी ग्राम मरैला, थाना सिरमौर, एक अवैध देसी कट्टे के

साथ किसी गंभीर अपराध की फ़िरक में घूम रहा है सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बेगबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा बग़मद किया गया पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्मस एक्ट की धारा 25(1)(बी) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहाँ से उसे न्यायिक अतिरक्षा में जेल भेज दिया गया पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व से भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक दीपक तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक प्यारेलाल वर्मा तथा आरक्षक कैलाश सौदकी, अंजय चौहान, वीरेंद्र कुशवाहा और गमनंश पटेल की सगहनिय भूमिका रही।

23 वर्षों से एक ही कार्यालय में पदस्थ बाबू पर उठे सवाल, तबादला नीति के पालन की मांग तेज



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला खनिज कार्यालय में वर्ष 2003 से पदस्थ एक लिपिक के लंबे समय से एक ही स्थान पर कार्यरत रहने को लेकर सवाल उठने लगे हैं स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि शासन की स्थानांतरण नीति के बावजूद संबंधित कर्मचारी का अब तक तबादला नहीं होने से विभागीय व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं जानकारी के अनुसार वर्ष 2003 से अब तक जिला खनिज अधिकारी सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी बदल चुके हैं लेकिन बाबू हरिओम पांडे लगातार उसी कार्यालय में

पदस्थ हैं जबकि राज्य सरकार की स्थानांतरण नीति के अनुसार सामान्यतः शासकीय कर्मचारियों का एक स्थान पर कार्यकाल तीन वर्ष निर्धारित माना जाता है। सेवेदनशील विभागों में नियमित अंतराल पर स्थानांतरण का भी प्रावधान है मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर विभिन्न तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि संबंधित कर्मचारी के स्थानांतरण का प्रस्ताव कभी भेजा गया था या नहीं जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का कहना है कि यदि स्थानांतरण नीति का पालन नहीं हुआ है तो मामले की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों के आधार पर आवश्यक निर्णय लिया जाना चाहिए विभाग के आधिकारिक पक्ष का इंतज़ार है।

सनातन की छांव में कांग्रेस सेवादल का ध्वज वंदन, संगोष्ठी में सेवा और समरसता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस सेवादल का मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम रविवार को शहर के पंचमठा रिवर फ्रंट पर गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया कार्यक्रम में ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक कुंवर सिंह पटेल, प्रदेश कांग्रेस सेवादल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश द्विवेदी, शहर अध्यक्ष आनंद कुशवाहा, ग्रामीण अध्यक्ष अनिल तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष रफीक भाई, पूर्व शहर अध्यक्ष लखनलाल खंडेलवाल सहित कांग्रेस सेवादल के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ध्वज वंदन के बाद आयोजित संगोष्ठी में पंचमठा महाराज ने कहा कि स्वतंत्रता



संग्राम में साधु-संतों और मठों ने अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कांग्रेस सेवादल समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों, साधु-संतों और धार्मिक संस्थाओं के साथ मिलकर जनसेवा एवं सामाजिक कल्याण के कार्यों में

सक्रिय योगदान दे रहा है उन्होंने समाज में सेवा, समरसता और सामाजिक सहभागिता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास सामाजिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ।



निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है रायपुर कर्चुलियान विकासखंड की ग्राम पंचायत नमिकनवा नंबर एक में रैली निकालकर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया विशेष ग्राम सभा के शुभारंभ में 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई इसके

बाद शासन द्वारा निर्धारित एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई। ग्राम सभा में जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों की जानकारी दी गई रायपुर कर्चुलियान विकासखंड में ही ग्राम पंचायत दुआरी, नवागांव और करारी में भी विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन करने का आग्रह किया गया इसी तरह विकासखंड

त्योंथर की ग्राम पंचायत गाड़पुरवा में सरपंच, पंच तथा ग्रामीणों की उपस्थिति में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया ग्राम सभा में जल संरक्षण कार्यों की जानकारी दी गई तथा वृक्षारोपण के संबंध में प्रस्ताव पारित किए गए इसी तरह सिरमौर विकासखंड की ग्राम पंचायत हटवा में भी विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई ग्राम पंचायत चौर, ग्राम पंचायत चौखंडी, ग्राम पंचायत उमरिया तथा अन्य ग्राम पंचायत में भी विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन किया जा रहा है इन ग्राम सभा में सरपंच पंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा आमजन शामिल हो रहे हैं।

सिरमौर पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान, 'सेफ क्लिक 2.0' के तहत लोगों को किया सतर्क

सिविल अस्पताल में साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए, आपात स्थिति में 1930 हेल्पलाइन पर सूचना देने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित साइबर अवेयरनेस अभियान सेफ क्लिक 2.0 के अंतर्गत रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर सिविल अस्पताल, सिरमौर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया अभियान के दौरान थाना प्रभारी दीपक तिवारी एवं पुलिस स्टाफ ने सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह की उपस्थिति में अस्पताल के चिकित्सकों कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन ठगी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।



ऐसे में नागरिकों को अनजाने लिंक, फर्जी कॉल, संदिग्ध मैसेज और ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क होना चाहिए। एटीएम पिन, बैंक पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी पुलिस टीम ने सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, सोशल

मीडिया पर सावधानी बरतने, ऑनलाइन मित्रता सोच-समझकर करने तथा व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक न करने के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी साथ ही यह भी बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी या ऑनलाइन अपराध की घटना होती है तो वह बिना विलंब राष्ट्रीय साइबर

हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके थाना प्रभारी दीपक तिवारी ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता है लोगों को सतर्क रहकर डिजिटल माध्यमों का उपयोग करना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देनी चाहिए इस अवसर पर सिविल अस्पताल के चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मचारी, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। अभियान के दौरान उपस्थित लोगों ने साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त कर जागरूकता फैलाने का भी संकल्प लिया।

गढ़ थाना क्षेत्र में महिला की संदिग्ध मौत, परिजनों ने मारपीट व जहर देकर हत्या का लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत उजनिहाई टोला में ममता तिवारी (पत्नी रमेश तिवारी) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है परिजनों ने रिस्तेदारों रिकू तिवारी, नीलू तिवारी और नीलम तिवारी पर मारपीट करने एवं जहर देकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है जानकारी के अनुसार यह घटना 27 जून 2026 की रात की है गंभीर हालत में महिला को तत्काल संजय गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई मृतका के बेटे अर्जुन तिवारी ने बताया कि परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। उनके अनुसार 27 जून की रात कुत्ते को लेकर हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया जो बाद में मारपीट में बदल गया परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने ममता तिवारी के साथ मारपीट की और उसे जहर दे दिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। स मामले में मृतका का एक वीडियो बयान भी सामने आया है जो अस्पताल में रिकॉर्ड किया गया बताया जा रहा है वीडियो में भी महिला द्वारा मारपीट के आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है पुलिस इस वीडियो को जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य मान रही है जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पुनरा जाँच में विवाद और रंजिश भी चल रही थी करीब एक माह पूर्व 2 जून 2026 को भी मृतका द्वारा गढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसमें विवाद और तनाव का उल्लेख किया गया था गढ़ थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर विवादों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच में जुटी हुई है।

रीवा में गो-मांस तस्करी के संदेह में दो युवतियां गिरफ्तार, पुलिस जांच में जुटी

ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़ा, नहर में फेंका गया मांस बरामद, लैब जांच के लिए भेजा गया सैंपल



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। समान थाना क्षेत्र के लोही गांव में रविवार को गो-मांस तस्करी के संदेह में दो युवतियों को ग्रामीणों की मदद से पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस ने बरामद मांस को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है तथा दोनों युवतियों से पूछताछ की जा



रही है पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवतियों की पहचान मुस्कान खान (23) एवं रुबिया

खान (20) निवासी अमिरली गांव, थाना गोविंदगढ़ के रूप में हुई है ग्रामीणों को पिछले कुछ

दिनों से इन पर गो-मांस तस्करी का संदेह था। रविवार को दोनों युवतियां स्कूटी से लोही गांव के पास से गुजर रही थीं तभी ग्रामीणों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया बताया गया कि रुकने के बजाय युवतियों ने स्कूटी को नहर की ओर मोड़ दिया जिससे ग्रामीणों ने पीछा किया इसी दौरान स्कूटी फिसलकर गिर गई पकड़े जाने के डर से दोनों युवतियों ने अपने पास रखा मांस नहर में फेंक दिया। इसके बाद ग्रामीणों को ओर पत्थरबाजी भी की गई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया टीआई मनीषा उपाध्याय ने बताया कि घटना में घायल व्यक्ति की पहचान

किसान आनंद सिंह बघेल के रूप में हुई है, जिन्हें सिर में गंभीर चोट आई है घायलों का उपचार कराया जा रहा है घटना के बाद ग्रामीणों ने दोनों युवतियों को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया तथा नहर से मांस बरामद कराया थाना प्रभारी ने बताया कि बरामद मांस को जांच के लिए लैब भेजा गया है रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की जांच समान थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

भीषण सड़क हादसा: तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी ठक्कर दो युवकों की मौत एक घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमड़ाल स्थित चोरहटा हवाई पट्टी के सामने शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार ठक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जानकारी के अनुसार हादसे में छोटी कोल और दिलीप कोल को कब्जे में घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पंकज कोल गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक एक ही परिवार के सदस्य हैं और रात के समय बाइक से किसी कार्य से जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हो गई हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना

मिलते ही चोरहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायल युवक पंकज को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज जारी है परिजन संजय कोल ने बताया कि हादसे की खबर से परिवार में मातम छा गया है। दो युवकों की मौत से गांव में शोक का माहौल व्याप्त है चोरहटा थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मर्चुरी भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की विस्तार जांच शुरू कर दी गई है पुलिस के अनुसार ट्रक चालक को तलाश की जा रही है और दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।